राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 29
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 14 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 जहांगीरपुरी हिंसा में वॉन्टेड शेख सिकंदर गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने 25 हजार रुपये का रखा था इनाम

पेज 5 फिरोजाबाद में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के होर्डिंग्स से काटी सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो

पेज 7 श्रीलंका ने भारत के विरोध को किया दरकिनार, चीनी जहाज को अपने पोर्ट पर दी रुकने की अनुमति

बांदा नाव हादसे में मरने वालों की संख्या 12 हुई

8 शव बहकर फतेहपुर बॉर्डर पहुंचे, 3 की तलाश जारी; लापता 5 लोग घर पर मिले

डूबने की सटीक लोकेशन नहीं मिलने से ऑपरेशन में परेशानी

केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति शुक्रवार को फतेहपुर के असोथर राम नगर कौहन्न घाट पहुंची थीं। उन्होंने कहा, बांदा प्रशासन ने फतेहपुर प्रशासन का तुरंत सहयोग नहीं लिया। उन्होंने रेस्क्यू के लिए स्टीमर और बड़े जाल को उपलब्ध कराने की मांग की है। NDRF कमांडेंट नीरज मिश्रा ने बताया, पानी की गहराई 40 से 50 फीट है। अभी तक किसी की सही लोकेशन का पता नहीं चल पाया है। कोई भी प्रत्यक्षदर्शी सही बात नहीं बता पा रहा है। कोई बता रहा है कि नाव नदी के बीचों बीच पलटी है। कोई बता रहा है कि किनारे आते वक्त पलटी है। मटमैला पानी होने के चलते भी ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है।

बांदा। रक्षाबंधन के दिन बांदा में यमुना में हुए नाव हादसे में 9 लोगों के शव शनिवार को मिले हैं। 8 शव बहकर फतेहपुर बॉर्डर तक पहुंच गए थे। एक शव मरका घाट से मिला है। तीन शव 11 अगस्त को बरामद हुआ था। हादसे में मरने वालों की संख्या अब 12 हो गई है।

इधर, लापता लोगों में से 5 अपने घर में जिंदा मिले हैं।

इसकी पुष्टि पुलिस वेरिफिकेशन में हुई है। नाव में 35 लोग सवार थे। इनमें से 3 अब भी लापता हैं। 15 लोगों को हादसे के दिन ही बचा लिया गया था।

एएसपी अभिनंदन ने बताया, 8 में से दो शव फतेहपुर के असोथर के पास मिले हैं।

लापता लोगों के परिजन को बुलाकर शिनाख्त कराई गई। मरका निवासी छुटका ने बताया, उसकी चाची माया पत्नी दिनेश का शव किशनपुर के नरौली घाट पर मिला है, वहां रहने वाले रिश्तेदार ने पहचान की है। शनिवार शाम 6 बजे उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद मरका घाट पहुंचे। मंत्री डॉ. संजय कुमार ने रो रही एक महिला को गले लगाकर ढांढ़स बंधाया। इस दौरान उन्होंने मछुआरों को फ्री में हाईटेक नाव के साथ ही उनके उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

पीयूष गोयल ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत फहराया तिरंगा

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को हर घर तिरंगा अभियान के अवसर पर राजघाट स्थित गांधी दर्शन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए स्वदेशी और आत्मनिर्भर के भारत के संदेश को आगे ले जाने और देश में बने सामानों को प्राथमिकता देने के संकल्प लेने का आह्वान किया।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल 13 नई दिल्ली में 'आजादी का अमृत महोत्सव' और हर घर त्रिभुज मनाते हुए।

उच्च न्यायालयों में 26 न्यायाधीश, अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च न्यायालय के लिए 20 न्यायिक अधिकारियों और छह वकीलों को विभिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश और अतिरिक्त न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति की है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय विभाग की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) और अनुच्छेद 224 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महामहिम राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श पर विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों एवं अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। विज्ञप्ति

के अनुसार, न्यायिक अधिकारी सुशील कुकरेजा और वीरेंद्र सिंह को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया है। इसी प्रकार न्यायिक अधिकारी गौरीशंकर शतपथी और चित्तरंजन दास को उड़ीसा उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

वकील एनुगुला वेंकट वेणुगोपाल उर्फ ई.वी. वेणुगोपाल, नागेश भीमपाका, पुल्ला कार्तिक उर्फ पी. एलामदार और काजा सरथ उर्फ के. शरथ तेलंगाना उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया है।

वकील जगन्नागरी श्रीनिवास राव उर्फ जे. श्रीनिवास राव और नामवरपु बालेश्वर राव तेलंगाना उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

न्यायिक अधिकारी श्रीमती सुष्मिता फुकन खौंड और श्रीमती मिताली ठाकुरिया को गौहाटी उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर न्यायिक अधिकारी श्रीमती रेणु अग्रवाल, मो. अजहर हुसैन इदरीसी, राम मनोहर नारायण मिश्र, श्रीमती ज्योत्सना शर्मा, मयंक कुमार जैन, शिव शंकर प्रसाद, गजेंद्र कुमार, सुरेंद्र सिंह-एक और नलिन कुमार श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है।

न्यायिक अधिकारी अनिल भीमसेन कट्टी, गुरुसिद्दैया बसवराज, चंद्रशेखर मृत्युंजय जोशी, उमेश मंजूनाथभट अडिगा और तलकड़ गिरिगौड़ा शिवशंकरे गौड़ा को कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया है।

राजस्थान के रिटायर्ड डीएसपी समेत 2 गिरफ्तार, सोनीपत में 80 हजार रुपए लेते हुए पकड़ा

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में रिश्वत के 1 लाख रुपए लेने आए राजस्थान पुलिस के रिटायर्ड डीएसपी सुरेंद्र सिंह और चित्रकुट थाने के SHO के रीडर दशरथ को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से रिश्वत के तौर पर लिए 80 हजार रुपए बरामद हुए हैं। आरोप है कि ये एक पूरा गिरोह है और कोचिंग सेंटर के संचालक पर केस केस दर्ज कर 20 लाख रुपए हड़प चुका है। उसे केस से निकालने और गिरफ्तारी से राहत देने के लिए 20 लाख रुपए मांगे थे। बाद में अकेले पुलिस से 6 लाख रुपए में सौदा पटा।

बताया गया है कि सोनीपत के एक कोचिंग सेंटर संचालक मनीष

भारद्वाज ने विजिलेंस को सूचना दी थी कि राजस्थान के जयपुर में उसके खिलाफ 30 जून को केस नंबर 295 दर्ज हुआ है। उसे इस केस में झूठा फंसाया गया है। राजस्थान के डीएसपी (अब रिटायर्ड) सुरेंद्र सिंह और उसकी टीम ने उसे केस से निकालने के लिए 20 लाख रुपए मांगे। फिर 6 लाख रुपए में सौदा पट गया। अब एक लाख रुपए लेने के लिए रिटायर्ड डीएसपी सुरेंद्र सिंह और चित्रकुट थाने के SHO का रीडर दशरथ सोनीपत पहुंचे हैं।

गरम धरम ढ़ाबे के पास से पकड़े

मनीष भारद्वाज को दोनों ने रुपए लेकर मुरथल में जीटी रोड पर गरम धरम ढ़ाबे के पास बुलाया। उसने इसकी सूचना विजिलेंस सोनीपत को दे दी। फिर दोनों को पकड़ने के लिए 80 हजार रुपए पावडर लगा कर दिए गए। इसके बाद विजिलेंस टीम ने दोनों को ढ़ाबे के पास से 80 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पाकिस्तान में हवाला से भेजे 2.77 करोड़ रुपए, विधायक धमकी मामले में एसटीएफ का खुलासा

727 बैंक खातों में से 867 बार पाक भेजे करोड़ों रुपए

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के विधायकों से करोड़ों रुपए मांगने वाले कुख्यात गिरोह के तार के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। एसटीएफ की जांच में खुलासा हुआ है कि विधायकों को धमकी देने वाले सभी गिरफ्तार युवकों पाकिस्तान से संबंध हैं। इनकी ओर से हवाले के जरिए 2 करोड़ 77 लाख रुपए पाकिस्तान भेजे गए हैं। 8 महीने में कुल 727 बैंक खातों में से 867 बार पाकिस्तान में करोड़ों रुपए भेजे गए। पाकिस्तान और मिडिल ईस्ट में बैठे सरगना ही आम जनता से लेकर खास लोगों से ठगी और

फिरौती से रुपए वसूल रहे हैं।

बता दें कि हरियाणा में 26 जून से 28 जून के बीच 4 विधायकों को दुबई और पाकिस्तान के मोबाइल नंबर से जान से मारने की धमकी देते हुए फिरौती के लिए कॉल आई। जिन विधायकों को धमकी भरी कॉल्स आई उनमें सोनीपत के MLA सुरेंद्र पंवार, सफीदों के सुभाष देशवाल, सोहना के विधायक संजय सिंह और साढ़ौरा की विधायक रेणु बाला शामिल है। विधायकों की शिकायत पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई।

हरियाणा STF ने दो सप्ताह पहले इस मामले में गुलेश आलम व बदरे आलम निवासी बिहार, अमित यादव, राधेश्याम, सनोज कुमार और कैश आलम को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया था। कैश आलम मिडिल ईस्ट के देशों में रहकर आया था। एसटीएफ की जांच में सामने आया कि जिन फोन नंबरों से कॉल आई, वह मिडल ईस्ट देशों के नंबर हैं और उन्हें पाकिस्तान में बैठकर ऑपरेट किया जा रहा है। पंजाब के कुछ पूर्व विधायकों को भी इन्हीं नंबरों से धमकियां दी गईं। सभी विधायकों से अलग-अलग भाषा में बातचीत की गई। शुरुआती जांच के अनुसार, इस गैंग के 10 मेंबर पाकिस्तान में बैठे हैं।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और जुटाई गई जानकारी के बाद एसटीएफ ने खुलासा किया है कि विधायकों को धमकी देने वाले सभी गिरफ्तार युवकों के तार पाकिस्तान से जुडे हैं। पाकिस्तान में बैठे सरगनाओं ने ही युवकों से हरियाणा के विधायकों को जान से मारने धमकी लाई थी। 8 महीने में कुल 727 बैंक खातों में से 867 बार करोड़ों रुपए पाकिस्तान भेजें जा चुके हैं। साथ ही हवाला के ज़रिए लगभग 2 करोड़ 77 लाख रुपए भेजे गए। सोशल मीडिया से आम से खास लोगों के फोन नंबर जुटाए जाते थे।

देश में 1.20 लाख से कम हुयी कोरोना रोगियों की संख्या

एजेंसी

नयी दिल्ली। पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना वायरस के रोगियों की संख्या में 4271 की गिरावट आई। इसके बाद सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1.20 लाख से नीचे आ गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह शनिवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक दो अरब 7 करोड़ 71 लाख 62 हजार 98 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 15 हजार 815 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख 19 हजार 264 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.27 प्रतिशत

है। दैनिक संक्रमण दर 4.36 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 20 हजार 18 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4 करोड़ 35 लाख 93 हजार 112 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.54 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में लाख 62 हज़ार 802 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 87 करोड़ 99 लाख 242 कोविड परीक्षण किए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना सक्रिय मामले 497 की कमी आने से इनकी कुल संख्या 8343 हो गयी और इससे निजात पाने वालों की संख्या 1945692 हो गयी है। इस महामारी से 10 और मरीजों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 26367 हो गया है।कर्नाटक में कोरोना सक्रिय मामले 341 बढ़ने से इनकी कुल संख्या 10395 हो गयी और इससे निजात पाने वालों की संख्या 3977541 हो गयी है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 40181 है।पंजाब में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 280 सक्रिय मामले बढ़ने इनकी संख्या 13940 हो गयी है। वहीं इस बीमारी से निजात पाने वाले लोगों की संख्या 747101 तक पहुंच गयी है और इस महामारी से राज्य में अब तक 17850 लोगों ने जान गंवाई है।

महाराष्ट्र में कोरोना 66 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या 11856 हो गयी है, जबकि इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या 7908195 तक पहुंच गयी है। इस अवधि में एक मरीज की मृत्यु होने से मृतकों का आंकड़ा 148167 हो गया है। राजस्थान में 04 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 4303 हो गयी हैं। इस दौरान 433 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1286207 तक पहुंच गयी है। मृतकों का आंकड़ा 9593 पर स्थिर रहा।

दिल्ली पुलिस ने नशीले पदार्थों के गठजोड़ का भंडाफोड़ किया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अफगानिस्तान से पंजाब में चल रहे नशीले पदार्थों की तस्करी के गठजोड़ का भंडाफोड़ करने का दावा किया है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स यूनिट के पुलिस उपायुक्त के पी एस मल्होत्रा ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी की पहचान पंकज वैद उर्फ संजू बाबा के रूप में हुई है जो जम्मू के यूएपीए और अमृतसर के नारकोटिक्स मामलों में भी वांछित था। मल्होत्रा ने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि पंजाब में हेरोइन की आपूर्ति करने वाले गिरोह की मुख्य कड़ी पंकज वैद था।

देश के 75 बस अड्डों पर लगेगी आजादी के योद्धाओं के चित्रों की प्रदर्शनी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय आजादी की 75 अवर्स वर्ष पर देश के विभिन्न हिस्सों में 75 बस अड्डों पर स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित करेगा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़े महापुरुषों की फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए शनिवार को कहा की इस तरह की प्रदर्शनी या देशभर में 75 बस अड्डों पर आयोजित की जाएगी।

गडकरी ने इस अवसर पर उपस्थित स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को सम्मानित किया और कहा कि उनका मंत्रालय स्वतंत्रता की 75वीं

वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन कर रहा है। इसके तहत देशभर में 75 बस स्टेशनों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे उन भारतीयों का स्मरण किया जा सके, जिन्होंने स्वतंत्र भारत की गौरवशाली यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इन प्रदर्शनियों के जरिए स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़े उन महापुरुषों तथा महिलाओं को चित्रित किया जाएगा जिन्होंने देश की आजादी में अपना योगदान दिया और अपने जीवन को बलिदान किया।

दलित छात्र ने मटकी छुई तो टीचर ने पीटा, मौत, कान की नस फटी

जालोर। दलित छात्र ने स्कूल में पानी की मटकी क्या छू ली, टीचर ने उसे इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। पिछले करीब 24 दिन से बच्चे का अहमदाबाद में इलाज चल रहा था। इससे पहले उदयपुर में भी इलाज चला था। घटना जालोर जिले के सायला थाना क्षेत्र के सुराणा गांव की है।

प्रारंभिक तौर पर यह जानकारी सामने आई है कि 20 जुलाई को तीसरी कक्षा के स्टूडेंट इंद्र मेघवाल ने पानी की मटकी को छू लिया था। पिता का आरोप है कि इसके बाद टीचर छैल सिंह ने इतनी पिटाई की थी कि उसकी हालत गंभीर हो गई।

बच्चे के पिता देवाराम ने बताया कि स्कूल में जातिवाद के नाम पर मेरे बेटे की पिटाई की गई। पिटाई के बाद इंद्र की तबीयत खराब होने लगी तो उसे जालोर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले गए। यहां से उसी दिन उदयपुर रेफर कर दिया गया था। यहां भी तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो कुछ दिनों बाद अहमदाबाद ले गए थे। इस बीच शनिवार दोपहर इलाज के दौरान बच्चों की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पिटाई के दौरान बच्चे के कान की नस फट गई थी।

बच्चा सुराणा गांव के ही सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ता था। इस मामले के बाद मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की ओर से जांच कमेटी बनाई गई है। आदेश में बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर सुराना में एक बच्चे की पिटाई का मामला सामने आया है। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (पीईईओ) अशोक कुमार दवे और प्रतापराम को जांच सौंपी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल और सीओ हिम्मत सिंह बच्चे के घर पहुंचे। मामले की जांच जालोर सीओ हिम्मत सिंह चारण को सौंपी गई है।

जालोर के SP हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा कि मर्डर और SC-ST एक्ट में मामला दर्ज कर लिया गया है। टीचर को डिटेन किया है।

इंजीनियरिंग का अजूबा

वर्कर्स ने फहराया तिरंगा, आतिशबाजी भी की गई; इंजीनियरिंग का अजूबा है यह ब्रिज

जम्मू-कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचा पुल तैयार

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में बन रहे दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे पुल की ओवरआर्च का काम पूरा हो गया। शनिवार को पुल का गोल्डन जॉइंट (आखिरी जोड़) लगाया गया। इसके बाद पुल बनाने का 98 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इस मौके पर वर्कर्स ने तिरंगा फहराया और आतिशबाजी भी की। ब्रिज का निर्माण कोंकण रेलवे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के तहत हुआ है। इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 28,000 करोड़ रुपए है।

कोंकण रेलवे के चेयरमैन और एमडी संजय गुप्ता ने कहा कि इस ब्रिज को बनाने में लंबा समय लगा है। खराब मौसम, सर्दी, ऊंचाई इसे बनाने में बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। पुल का निर्माण मुंबई स्थित बुनियादी ढांचा प्रमुख Afcons की ओर से किया गया है। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्विटर पर चिनाब ब्रिज का वीडियो शेयर की।

गोल्डन जॉइंट क्या है

गोल्डन जॉइंट सिविल इंजीनियर्स की ओर से दिया गया एक टर्म है। गोल्डन जॉइंट वह जॉइंट है, जिसमें किसी नए पाइपिंग कंपोनेंट की वेल्डिंग मौजूदा लाइन से कर दी

जाती है। गोल्डन जॉइंट के जरिए हाई स्ट्रेंथ फ्रिक्शन ग्रिप बोल्ट की मदद से ब्रिज और ब्रिज ओवरआर्क डेक के दो हिस्सों को जोड़ दिया जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि जॉइंट की वेल्डिंग सोने से होगी।

जम्मू-कश्मीर में 16 नए रेलवे पुल बन रहे

Afcons के उप प्रबंध निदेशक गिरिधर राजगोपालन ने कहा, हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि गोल्डन जॉइंट के खत्म होने के बाद पुल का काम लगभग 98 प्रतिशत पूरा हो जाएगा।' Afcons चिनाब ब्रिज के अलावा कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए जम्मू-कश्मीर में 16 और भी रेलवे पुलों का निर्माण कर रहा है। सभी पुल उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा हैं।

सिंगल-आर्च रेलवे ब्रिज की खासियत

दुनिया का सबसे ऊंचा सिंगल-आर्च रेलवे ब्रिज रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी के बीच बनाया गया है। 1.3 किमी लंबे रेल ब्रिज की नदी तल से ऊंचाई 359 मीटर है। यह 324 मीटर ऊंचे एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। ब्रिज 17 केबल्स पर टिका है। इस पुल पर 8 तीव्रता वाले भूकंप का असर नहीं होगा। यह 260 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवा को सह सकता है। इस ब्रिज में ब्लास्ट लोड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है।

शार्ट न्यूज

उत्तरी कमान कमांडर ने संघर्ष विराम समझौते का पालन करने की सराहना की

श्रीनगर। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम समझौते का पालन करने के लिए कड़े नियंत्रण की सराहना की। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी आज श्रीनगर पहुंचे और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि उत्तरी कमान कमांडर ने चिनार कोर कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला के साथ नियंत्रण रेखा पर अग्रिम क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों और 'फार्मेशन' का आज दौरा किया। प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें मौजूदा सुरक्षा स्थिति और विरोधियों के मंसूबों का मुकाबला करने के लिए उठाए गए कदमों और भारतीय सेना द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से अवगत कराया गया। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोकने की मजबूत ग्रिड की सराहना की। उन्होंने युद्धविराम समझौते का पालन करने के लिए उठाये गये कड़े नियंत्रण की भी सराहना की। आजादी का अमृत महोत्सव 'के चल रहे राष्ट्रव्यापी समारोह के बीच, लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी और लेफ्टिनेंट जनरल औजला की उपस्थिति में कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर केरन के लोगों द्वारा 72 फीट ऊंचा प्रतिकात्मक तिरंगा फहराया गया।

ओडिशा में कोरोना के 403 नये मामले

भुवनेश्वर। ओडिशा में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 403 नये मामले सामने आये हैं और इसके के साथ ही राज्य में इस बीमारी से प्रभावितों की संख्या बढ़कर 13,22,183 हो गई हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के सूत्रों ने आज यहां बताया कि 403 नए मामलों में से 237 क्वारंटीन केंद्रों से और 166 स्थानीय संपर्क से संबंधित मामले है। उन्होंने बताया कि राज्य के किसी भी जिले ने पिछले 24 घंटों में 100 से कम रहा। इस दौरान खुर्दा में सबसे अधिक 81 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद सुंदरगढ़ (66), संबलपुर (36) और बलांगीर (22) में मामले सामने आये हैं। इन चार जिलों में राज्य के कुल नये मामलों के 50 प्रतिशत नये मामले हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान 844 लोगों के कोविड मुक्त होने से राज्य में इस बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 13,09,014 हो गई है। राज्य में इस समय 3,966 सक्रिय मामले हैं। राज्य के कुल 30 जिलों में पॉजिविटि दर पांच प्रतिशत है।

स्टालिन ने सोनिया के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

चेन्नई। द्रमुक अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्रीमती गांधी फिर कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से पीड़ित हैं। श्री स्टालिन ने ट्वीट किया, मैं कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के दोबारा कोरोना पॉजिटिव होने से चिंतित हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं उनके शीघ्र और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बंगाल की खाड़ी के उत्तरी इलाके मे बना कम दबाव का क्षेत्र : मौसम विभाग

हैदराबाद। बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से के ऊपर शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे कम दबाव का क्षेत्र बना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने यहां एक विशेष मौसम बुलेटिन में कहा कि कम दबाव के क्षेत्र के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की बहुत संभावना है। अगले बारह घंटों के दौरान यह अच्छी तरह से चिह्नित हो जाएगा और बाद के 24 घंटों के दौरान एक कम दबाव 'डिप्रेशन' में केंद्रित हो जाएगा। संबद्ध चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है। बुलेटिन में कहा गया है कि तेलंगाना के कुछ जिलों में आज और रविवार को छिटपुट स्थानों पर बिजली गिरने के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

हैदराबाद के कामिनेनी अस्पताल ने अंग दाता परिवारों को किया सम्मानित

हैदराबाद। तेलंगाना के एलबी नगर में स्थित कामिनेनी अस्पताल ने शनिवार को विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर अंगदान करने वाले परिवारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर तेलंगाना में जीवनदान संगठन की सीईओ डॉ स्वर्णलता ने सभी अंग दाताओं परिवारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके योगदान के बिना कोई प्रत्यारोपण प्रक्रिया नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा कि हम पांच से 10 प्रतिशत आवश्यक अंगों की खरीद कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि अंगदान की प्रक्रिया में वास्तव में पुलिस मददगार है। सभी अंग प्रत्यारोपण आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना के तहत आते हैं और राज्य में इसके लिए 37 अस्पतालों को पंजीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि देश में अंगदान दर आठ प्रतिशत है और जबकि तेलंगाना में यह 4.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, देश में करीब दो लाख लोग प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं। कोविड के कारण फेफड़े को बड़ा नुकसान हो रहा है। दो सौ से अधिक फेफड़ों का प्रत्यारोपण किया गया है। कार्यक्रम में वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों, कामिनेनी अस्पतालों के विभिन्न विभागों के प्रमुखों, चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों ने भाग लिया।

चेन्नई में इकोवास व्यापार सम्मेलन का आयोजन

चेन्नई। भारत-अफ्रीका व्यापार परिषद ने शनिवार को यहां भारत इकोवास व्यापार सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु के व्यापारिक समुदाय ने भाग लिया। भारतीय आर्थिक व्यापार संगठन के अध्यक्ष डॉ. आसिफ इकबाल ने भारत में घाना के उच्चायुक्त क्वाकू असोमाह-चेरेमेह का स्वागत किया और एक मजबूत साझेदारी के लिए दोनों देशों के बीच समर्थन की प्रतिबद्धता का वादा किया। इस मौके पर डॉ इकबाल ने कहा कि घाना में भारतीय कंपनियों द्वारा फार्मा, मेडिसिन, आईटी विकास, कपड़ा, गारमेंट्स और औद्योगिक विकास में द्विपक्षीय व्यापार के अवसरों के लिए काफी संभावनाएं हैं। नयी दिल्ली में घाना उच्चायोग के मंत्री, काउंसलर अर्नेस्ट नाना अदजेई के साथ राजदूत ने घाना की नवीनतम सुधारित व्यापार नीति प्रस्तुत की जो निवेशकों के लिए बहुत दूरदर्शी है। चेन्नई में विदेश मंत्रालय के प्रमुख डॉ. वेंकटचलम मुरुगन ने श्री जिन्ना रफीक की अध्यक्षता में ईकोवास व्यापार आयोग के उद्घाटन समारोह में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया, जो राज्य में एक नई सुधार नीति के जरिये विदेशी संबंधों को आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान, राजदूत ने आधिकारिक विदेश मंत्रालय को घाना कॉफी भेंट की और अक्टूबर में घाना की निवेश परिषद की यात्रा के दौरान कॉफी को औपचारिक रूप से लॉन्च करने के विकल्प का पता लगाएंगे।

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर एसजीपीसी ने राज्य में किया विरोध प्रदर्शन

अमृतसर। देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने देश के विभिन्न जेलों में बंद सिख कैदियों की रिहाई के संबंध में पंजाब भर के जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम उपायुक्तों को मांग पत्र सौंपे। अमृतसर के उपायुक्त को मांग पत्र सौंपने के लिए शिरोमणि कमेटी के सदस्य और कर्मचारी शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के नेतृत्व में श्री दरबार साहिब के बाहर प्लाजा पर जमा हुए, जहां से उपायुक्त कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान शिरोमणि समिति के अध्यक्ष सहित सदस्यों और कर्मचारियों ने काली पगड़ी पहन रखी थी और बंदी सिखों की रिहाई के संबंध में नारे लगाने वाले बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। एसडीएम हरप्रीत सिंह ने उपायुक्त कार्यालय में एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट धामी से उपायुक्त से मांग पत्र प्राप्त किया और इसे आगे की कार्रवाई के लिए सरकार को भेजने का आश्वासन दिया। इस मौके पर एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि 30-30 साल से देश की जेलों में कैद सिखों के साथ न्याय नहीं हो रहा है और सरकार घोषणा के बाद भी सिखों को रिहा नहीं कर रही है।

चंडीगढ़ में बना वर्ल्ड रिकॉर्ड, क्रिकेट स्टेडियम में 7000 छात्रों ने बनाया ह्यूमन तिरंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी 15 अगस्त को देश की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर देशभर में आज से हर घर तिरंगा यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। इस बीच चंडीगढ़ में तिरंगा को लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। जानकारी के अनुसार, यहां एक क्रिकेट स्टेडियम में ह्यूमन चेन के साथ तिरंगा लहराया गया। इस तिरंगे में 7000 छात्रों ने ह्यूमन चेन बनकर वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी भूमिका निभाई।

15 अगस्त को देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो जाएंगे। इसलिए इस साल केंद्र सरकार की मुहिम के तहत देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। आज से हर घर तिरंगा यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इस बीच चंडीगढ़ में सेक्टर 16 स्थित

क्रिकेट स्टेडियम में सबसे बड़े ह्यूमन चेन के साथ तिरंगा लहराया गया। इस चेन में 7000 छात्रों ने भाग लिया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री मीनाक्षी लेखी, चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित और पहलवान योगेश्वर दत्त (ओलंपिक पदक विजेता) एनआईडी फाउंडेशन और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्टेडियम पहुंचे। पुरोहित ने सभी प्रतिभागियों को इस उपाधि को प्राप्त करने के लिए बधाई दी और लोगों से अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह किया। छात्रों ने हवा में तिरंगे जैसी आकृति भी बनाई, जबकि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम की मौजूदगी में खुद को ह्यूमन तिरंगा के लिए कतारबद्ध किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एडजुडिकेटर के एक अधिकारी स्वप्निल डांगरीकर, जो इस कार्यक्रम में भी मौजूद थे, ने रिकॉर्ड का सत्यापन किया और कहा, राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए सबसे बड़ी मानव छवि के लिए पिछला विश्व रिकॉर्ड अबूधाबी में जीईएमएस एजुकेशन के नाम था। जिसे चंडीगढ़ में बनी इस ह्यूमन चेन ने तोड़ दिया है।

पिछला रिकॉर्ड कब बना था

संयुक्त अरब अमीरात ने 2017 में 4130 लोगों के साथ ह्यूमन राष्ट्रीय ध्वज के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि विश्व रिकॉर्ड के सफल निर्माण के साथ भारत के स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर पूरी दुनिया को एक महान संदेश दिया है। यह आयोजन मेरी कल्पना से भी बड़ा हो गया है। मैं चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के चांसलर और एनआईडी फाउंडेशन के प्रमुख संरक्षक एस सतनाम सिंह संधू को हार्दिक बधाई देता हूं, जिनकी टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है।

एक साल में आतंकवाद के ताबूत में आखरी कील भी ठोक देंगे

एजेंसी

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवाद के समूल नाश का दावा करते हुए शनिवार को कहा कि एक साल में आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील भी ठोक दी जायेगी।

राजधानी श्रीनगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, इस आतंकवाद के कारण हमने कई बेकसूर जिंदगियां खोयी हैं और अब यह रूकना चाहिए। आतंकवाद और इसके फलने फूलने में मददगारों की ताबूत में आखिरी कील ठोंकने का सही समय अब आ गया है। हमारी आने वाली पीढ़ियों को किसी भी कीमत पर वह सब नहीं भुगतना चाहिए जो उनकी पिछली पीढ़ी ने भुगता है। आने वाली पीढ़ियां कुछ ऐसा करें जिससे देश को उन पर नाज़ हो। एक साल में आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम भी कर लिया जायेगा और इसके बाद जम्मू-कश्मीर में स्थायी रूप से शांति हो जायेगी। सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग पडोसी देश के उकसावे पर जम्मू कश्मीर में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। पड़ोसी देश पहले ही खस्ताहाल है जिनके खुद के जीने और खाने के लाले हों वह जम्मू कश्मीर के लोगों का क्या भला कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 में प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देकर विकास और समृद्धि की नयी सौगात दी थी। पिछले 70 वर्षों से जम्मू कश्मीर की सामाजिक आर्थिक व्यवस्था गंभीर संकट से जूझ रही थी और पिछले तीन ही वर्षों के अंदर केंद्र शासित प्रदेश के रूप में गांवों और शहरों के बीच बढ़ती खाई को पाटने की दिशा में प्रभावी काम किया गया है। गांव और शहर के बीच की यह दूरी पिछले सात दशकों के दौरान लगातार बढ़ी थी।

दक्षिण मध्य रेलवे का 'हर घर तिरंगा' अभियान

हैदराबाद। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने अपने कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत आज 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया।

एससीआर ने शनिवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्वतंत्रता समारोह के दौरान सभी कर्मचारी आज से सोमवार तक अपने घरों में तिरंगा फहराएं।

विज्ञप्ति के मुताबिक एससीआर के कर्मचारियों के करीब 80 हजार परिवारों ने अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया है। इस कार्यक्रम में सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ मंडल मुख्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाने और राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार और भारतीय रेलवे द्वारा यह एक बड़ी पहल है। उन्होंने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पहल करने के लिए सभी छह मंडलों के अधिकारियों और मंडल रेल प्रबंधकों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए तिरंगा को घर लाने और इसे फहराने के लिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव लोगो स्टिकर 772 इंजनों पर, हर घर तिरंगा स्टिकर 1,439 इंजनों पर, 16,657 लोगो स्टिकर प्रवेश के पास, और 4,319 कोचों के निकास द्वार चिपकाए गए हैं।

कश्मीरी हिंदुओं के हत्यारोपी बिट्टा कराटे की पत्नी समेत 4 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त, आतंकी संबंधों के चलते ऐक्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बिट्टा कराटे की पत्नी सहित 4 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चारों को आतंकी संबंधों के कारण सर्विस से हटाया गया है। मालूम हो कि बिट्टा कराटे आतंक से जुड़े आरोपों का सामना कर रहा है। साथ ही वह कश्मीरी पंडितों की हत्या के मामले में भी आरोपी है। बर्खास्त कर्मचारियों में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन का बेटा भी शामिल है। सैयद अब्दुल मुईद उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक था। अधिकारियों ने बताया कि अन्य बर्खास्त कर्मियों में वैज्ञानिक डॉ.मुहीत अहमद भट्ट और कश्मीर विश्वविद्यालय में वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक माजिद हुसैन कादरी शामिल हैं।

1 लाख से ज्यादा कश्मीरी पंडित घर छोड़ने को हुए मजबूर

बता दें कि 1990 में 1 लाख से ज्यादा कश्मीरी पंडितों को उनका ही घर छोड़ने पर मजबूर किया गया था। उन्हें रातोरात बेघकर कर दिया गया था। कश्मीर में लोगों की हत्याएं और दहशत फैलाने का काम 1989 से ही शुरू हो था। बिट्टा कराटे उर्फ फारूक अहमद डार उस वक्त घाटी में दहशत का दूसरा नाम बन गया था। वह कश्मीरी पंडितों को खोज-खोजकर मारता था।

कराटे ने कबूली थी 20 कश्मीरी पंडितों का मारने की बात

एक इंटरव्यू में बिट्टा ने बताया था कि पहला खून उसने सतीश का किया था। बिट्टा ने यह भी बताया था कि वह पिस्तौल से मारता था। अक्सर अकेले मर्डर करने निकलता था और नकाब नहीं पहनता था। वहां के लोग उसका साथ देते थे।

उसने जेकेएलएफ नेताओं के आदेश पर 20 पंडितों को मारने की बात कैमरे पर स्वीकार की थी। हालांकि, बाद में कराटे ने इसका खंडन करते हुए कहा कि उसने दबाव में यह बयान दिया।

बिट्टा कराटे ने कश्मीर प्रशासनिक सेवा की अधिकारी से की शादी

फारूक अहमद डार का नाम बिट्टा कराटे इसलिए पड़ा क्योंकि वह मार्शल आर्ट में ट्रेंड था। कराटे पुराने शहर श्रीनगर के गुरु बाजार इलाके में बड़ा हुआ, जो 1990 के दशक में उग्रवाद का केंद्र था। उसने हाई स्कूल छोड़ दिया, जिसमें कई पंडित शिक्षक थे। बिट्टा कराटे ने 2011 में कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस) की अधिकारी असबाह अर्जुमंद खान से शादी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, खान भी बिट्टा की प्रशंसक थी। उन्होंने कहा था कि अगर वह सरकारी अधिकारी नहीं होती तब भी वह बिट्टा से शादी कर लेती।

महिलाओं पर टिप्पणी को लेकर प्रियांक ने खड़ा किया नया विवाद

बेंगलुरु। कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने अपनी कथित टिप्पणी से नया विवाद खड़ा कर दिया है कि कर्नाटक में महिलाओं को 'भ्रष्ट भारतीय जनता पार्टी सरकार' को यौन लाभ देकर रोजगार मिलता है।

खड़गे ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कथित रूप से कहा, इस सरकार में आपको बिना पैसे दिए नौकरी नहीं मिलेगी। इससे पहले दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार में नौकरी पाने के लिए युवा महिलाओं को सोफे पर बैठना पड़ता है और युवाओं को रिश्वत देनी पड़ती है। रिश्वत खाने वाली सरकार बन चुकी है।

कांग्रेस विधायक की यह टिप्पणी पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) भर्ती घोटाले पर एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सामने आयी।

खड़गे ने भर्ती घोटाले की विशेष जांच दल द्वारा न्यायिक जांच की मांग करते हुए दोषियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना की मांग की।

उन्होंने कहा, सरकार ने पदों को बेचने का फैसला किया है। अगर युवतियां सरकारी नौकरी चाहती हैं, तो उन्हें किसी के साथ सोना चाहिए। पुरुषों को सरकारी नौकरी के लिए रिश्वत देनी पड़ती है।

एक मंत्री ने युवती को नौकरी के लिए अपने साथ सोने के लिए कहा था। मामले का खुलासा होने के बाद मंत्री ने इस्तीफा दे दिया और यह मेरे बातों का सबूत है। श्री खड़गे ने कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन में भ्रष्टाचार के नए आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा, जूनियर इंजीनियर का पद पाने के लिए 30 लाख रुपये रिश्वत के रूप में और सहायक अभियंता के लिए 50 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। कुल 600 पदों के लिए सौदा हुआ है और आशंका है कि इसी में 300 करोड़ रुपये का गबन किया गया है।

श्री खड़गे ने यह भी आरोप लगाया कि कई उम्मीदवारों ने विभिन्न विभागों में द्वितीय श्रेणी सहायकों के 1,323 पदों को भरने के लिए सितंबर 2021 में आयोजित सीईटी परीक्षा में ब्लूटूथ और माइक्रोफोन का इस्तेमाल किया।

देशभक्ति के नारों के साथ हुआ शहीद का अंतिम संस्कार

झुंझुनू। जम्मू कश्मीर के राजौरी में आतंकियो से मुठभेड़ में शहीद हुए राजस्थान में झुंझुनू जिले के मालीगांव गांव के सपूत शहीद राजेंद्र प्रसाद भांबू की आज पूरे राजकीय सम्मान से उनके पैतृक गांव मालीगांव में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले सेना के जवानों ने पार्थिव देह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शहीद के सात साल के बेटे अंशुल ने चिता को मुखाग्नि दी। इससे पूर्व शहीद राजेन्द्र प्रसाद की शहादत पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। शहीद की पार्थिव देह बीती रात को झुंझुनू जिले के चिड़ावा थाने में पहुंची थी। जहां से आज सुबह सेना के फूलों से सजे ट्रक में पार्थिव देह सम्मान के साथ रखकर शहादत यात्रा निकाली। इलाके के हजारों युवाओं द्वारा तिरंगा यात्रा के जरिए पार्थिव देह को मालीगांव लाया गया।

हिमाचल में 3,557 करोड़ रुपये से अधिक का दुरुपयोग : सीएजी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में वित्त पर पेश किए गए नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने संकेत दिया कि राज्य सरकार द्वारा खर्च और उपयोग की गयी 3557.83 करोड़ रुपये की राशि दुरुपयोग के उच्च जोखिम में आती हैं क्योंकि अब तक लगभग 2800 के उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्रस्तुत नहीं किए गए है।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने शनिवार को यहां मानसून सत्र के दौरान वित्त वर्ष 2020-21 के लिए सीएजी की रिपोर्ट पेश की।

सीएजी के निष्कर्ष में कहा गया है कि उसके पास वास्तव में खर्च या उपयोग की गई 3,557.83 करोड़ रुपये की राशि का ठोस आश्वासन नहीं है, जिसने विधायिका की समीक्षा की थी। सीएजी ने बताया कि 31 मार्च, 2021 तक कुल 2799 की राशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित है, जिसमें दुरुपयोग का जोखिम शामिल है। सीएजी ने यह भी कहा कि 227.65 करोड़ रुपये की राशि, उप-वाउचर और अन्य सहायक दस्तावेज वास्तविक व्यय के प्रमाण के रूप में प्रधान महालेखाकार को प्रस्तुत नहीं किए गए है।

कुल 227.65 करोड़ रुपये की राशि को व्यय के रूप में नहीं माना गया है और शीर्ष 'सस्पेंस पब्लिक अकाउंट' के तहत रखा गया है। मार्च 2021 के अंत में इस मद के तहत प्रोग्रेसिव बैलेंस 1,631.05 करोड़ रुपये हो गया।

अटारी-वाघा बार्डर पर भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

एजेंसी

अमृतसर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 75वें आजादी दिवस के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मुहिम को समर्पित वरिष्ठ भाजपा नेता एवं लोक सभा हलका अमृतसर के प्रभारी राजिंदर मोहन सिंह छीना ने आज सरहदी कस्बों अटारी और वाघा में तिरंगा यात्रा की अगुआई की। पार्टी नेताओं और वर्करों ने हाथों में तिरंगे झंडा पकड़कर हिंद-पाक सीमा के निकट वंदे मातरम, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर उनके साथ देहाती प्रधान हरदियाल सिंह औलख, हलका अटारी के हलका कनवीनर बलविंदर कौर और डॉ सुशील देवगण मौजूद थे। अटारी के मुख्य बाजारों से शुरू हुई यह यात्रा आजादी सेनानियों को श्रद्धांजलि भेंट करने से पहले वाघा में संपन्न हुई। इस अवसर पर छीना ने कहा कि आज समूचा देश आजादी के जश्न में डूबा हुआ है।

हनी ट्रैप गैंग का खुलासा, पांच गिरफ्तार, कई फरार

नैनीताल। उत्तराखंड की उधमसिंह नगर के नानकमत्ता में पुलिस ने हनी ट्रैप गैंग का खुलासा कर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें कई महिलायें भी शामिल हैं। महिलायें मीठी मीठी बातों से शिकार को फंसाने का काम करती हैं। गिरोह के कई सदस्य फरार हैं।

उधमसिंह नगर पुलिस के अनुसार इसी साल 25 मई व 10 जून के मध्य हनी ट्रैप की दो अलग अलग घटनायें सामने आयी थीं। दोनों मामलों में महिलाओं की भूमिका सामने आयी। दोनों घटनाओं में पैसे का लेनदेन सामने आया। हनी ट्रैप गैंग का पहला शिकार पीलीभीत के अमरिया निवासी जयराम नामक युवक हुआ। जयराम 25 मई को बरा से खटीमा जा रहा था। इसी दौरान सितारगंज के बिजटी चैराहा में उसे दो महिलायें मिलीं। दोनों ने उससे नानकमत्ता तक लिफ्ट मांगी। इसी दौरान महिलाओं ने युवक का मोबाइल नंबर ले लिया।

महिलायें युवक से मीठी मीठी बातें करती रहीं और अगले दिन उसे बिडौरा, मझौला में मिलने का निमंत्रण दे दिया। युवक 26 मई को अपने दोस्त के साथ बिडौरा गया। इस दौरान महिला युवक को एक घर में ले गयी। कुछ देर बाद वहां पांच छह लोग आ गये और मारपीट कर पैसों की मांग करने लगे। युवक गैंग के चंगुल से किसी तरह से बचकर निकला।

दूसरी घटना में भी महिलाओं की भूमिका ही प्रमुख रही। पुलिस के अनुसार दिनेश अग्रवाल की पीलीभीत (उप्र) के मझौला में कपड़े का व्यापारी है। खटीमा से गीता नाम की एक महिला उसके दुकान में कपड़ा खरीदने जाती थी। कुछ दिन बाद गीता ने दूसरी महिला को उसकी दुकान पर कपड़ा खरीदने के लिये भेजा। इस महिला ने दिनेश अग्रवाल को विश्वास में ले लिया और उसे व्यापार के नाम पर सिसईखेड़ा बुला लिया। गत 10 जून को दुकान मालिक जैसे ही सिसईखेड़ा पहुंच तो महिला उसे एक घर में ले गयी। कुछ देर बाद वहां पांच-छह लोग आ गये और मारपीट के साथ पैसों की मांग करने लगे।

उससे दस हजार रुपये व मोबाइल भी छीन लिया। साथ ही जान बख्शने के नाम पर दो लाख रूपये की मांग की। पीड़ित को काफी वक्त तक बधंक बनाकर भी रखा गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया।

फगवाड़ा में धरने पर डटे किसानों ने दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे खोला

फगवाड़ा। पंजाब के गन्ना किसानों ने फगवाड़ा शुगर मिल पर अपना 72 करोड़ रुपये के बकाया को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को भी जारी रहा, लेकिन आज किसानों ने लोगों की असुविधाओं को देखते हुए दिल्ली-अमृतसर राष्ट्रीय उच्च मार्ग को खोल दिया।

पंजाब सरकार के खिलाफ किसानों ने पूरी तरह से मोर्चा खोल दिया है। फगवाड़ा का शुगर मिल चौक भी अब सिंघु बार्डर में तबदील होने के आसार बन गए हैं। शुगर मिल चौक हाइवे पर दिए जा रहे धरने को पंजाब की 31 जत्थेबंदियों का समर्थन मिला है। सभी जत्थेबंदियों की फगवाड़ा में देर रात तक चली बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं।

बैठक में निर्णय लिया गया है कि 25 अगस्त को फगवाड़ा मिल चौक पर बड़ी संख्या में किसानों को एकत्र किया जाएगा। इसमें सिर्फ दोआबा के ही नहीं बल्कि पूरे पंजाब से किसान आएंगे। किसान नेताओं ने कहा कि फगवाड़ा शुगर मिल को भी सिंघु बार्डर में तब्दील किया जाएगा। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक यहां पक्का मोर्चा रहेगा। इसके अलावा एक अहम फैसला लखीमपुर खीरी हत्याकांड को लेकर भी लिया गया है।

पीयूष गोयल ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत फहराया तिरंगा

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को हर घर तिरंगा अभियान के अवसर पर राजघाट स्थित गांधी दर्शन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए स्वदेशी और आत्मनिर्भर के भारत के संदेश को आगे ले जाने और देश में बने सामानों को प्राथमिकता देने के संकल्प लेने का आह्वान किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्री गोयल ने राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का दौरा किया और एक खुले में शौच मुक्त देश के लिए एक डिजिटल प्रदर्शनी देखी।

भगवंत मान की एक विधायक-एक पेंशन योजना पर राज्यपाल की मोहर

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने आज एक विधायक-एक पेंशन योजना को मंजूरी दे दी है। यह फाइल काफी समय से राज्यपाल के पास अटकी हुई थी। राज्यपाल की मंजूरी के बाद इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को खुद ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। पंजाब की भगवंत मान सरकार इसी वर्ष एक जुलाई को इस संबंध में विधानसभा में विधेयक लेकर आई थी। इसके बाद इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेज दिया गया था। इस संबंध में अधिसूचना जारी होने के बाद अब राज्य में विधायक को एक ही पेंशन मिलेगी। राज्य में अब तक हर कार्यकाल की अलग-अलग पेंशन मिलती थी। उदाहरण के लिए यदि कोई नेता पांच बार विधायक रहा तो उसे पांच पेंशन मिलती थी, लेकिन अब एक ही पेंशन मिलेगी। विधायकों की पेंशन के संबंध में अधिसूचना जारी होने के बाद अब विधायकों को उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद 60 हजार रुपये पेंशन और महंगाई भत्ता ही मिलेगा।

शार्ट न्यूज

सांसद प्रवेश साहिब सिंह के नेतृत्व में नजफगढ़ में विशाल तिरंगा बाइक रैली निकाली गई

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली सांसद प्रवेश साहिब सिंह के नेतृत्व में नजफगढ़ में विशाल तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। पश्चिमी दिल्ली में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत करते हुए परवेश साहिब सिंह ने कहा कि हर घर में हमारे कार्यकर्ता तिरंगा वितरित कर रहे हैं ।हमारे कार्यकर्ताओं को 2 लाख तिरंगा दिया गया है ताकि हर घर में तिरंगा लग सके ।पश्चिमी दिल्ली में अनेकों कार्यक्रम 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत किए गए , जिसमें प्रभात फेरी ,बाइक रैली ,पदयात्रा , पार्कों में तिरंगा वितरण , मंदिरों में तिरंगा वितरण आदि कार्यक्रम पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए ।हर सोसाइटी , हर गांव , हर कॉलोनी में हर घर में तिरंगा लगे इसके लिए कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों से प्रधानमंत्री जी का आह्वान कर रहे हैं ।इस कार्यक्रम के मौके पर जिलाध्यक्ष विजय सोलंकी जी , निगम पार्षद नीलम कृष्ण , सतपाल मलिक , सुमन डागर , अंतिम गहलोत आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

पुलिस ने दो वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। थाना सुरजपुर पुलिस ने दो वाहन चोरों कृष्ण कुमार पुत्र किरन निवासी मकान नंबर 59 डी काशीराम कालोनी सैक्टर 45 थाना सैक्टर 39 जनपद गौतमबुद्धनगर, मन्नू पुत्र अशोक निवासी पता 111ए काशीराम कालोनी सैक्टर 45 थाना सैक्टर 39 जनपद गौतमबुद्धनगर को 130 मीटर रोड मजार के सामने से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे एवं निशादेही पर पुलिस ने चोरी की छ: मोटरसाइकिल, 12 सिमकार्ड विभिन्न कम्पनीयों के और चार मोबाईल फोन बरामद किए हैं।गिरफ्तार दोनों अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जो नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एवं एनसीआर क्षेत्र से मोबाइल व मोटर साइकिल चोरी कर लेते हैं और मोबाइल फोन को राह चलते लोगों को बेच देते हैं। अभियुक्तगण से बरामदा मोटर साइकिलो के सम्बंध में कमिश्नरेट नोएडा व दिल्ली के थानो में अभियोग दर्ज है।अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना दादरी व थाना सेक्टर -39 पर पूर्व में भी आयुध अधिनियम व चोरी की धाराओं के अन्तर्गत अभियोग दर्ज है। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा। शनिवार को प्राथमिक विद्यालय चक जहाँगीरपुर द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गयी।यात्रा में बड़ी संख्या में बच्चों द्वारा भाग लिया गया। विभिन्न नारों एवं स्लोगन के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को प्रेरित किया गया। गौरतलब है कि 11 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक जनपद में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि आजादी के 75वें अमृत महोत्सव को सफल बनाया जा सके। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व अमित कुमार प्रधानाध्यापक, संदीप अत्री सहायक अध्यापक द्वारा किया गया।

जनपद में 13 अगस्त शाम 6 बजे से लेकर 17 अगस्त 2022 को शाम 6 बजे तक नही होगा ड्रोन का संचालन

ग्रेटर नोएडा। 75वीं स्वतन्त्रता दिवस वर्षगांठ 15 अगस्त 2022 के सफल आयोजन व सुरक्षा के दृष्टिगत प्राइवेट ड्रोन संचालन को प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है। अत: धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था कुमार रणविजय सिंह ने आदेश पारित किया है कि जनपद गौतमबुद्धनगर में किसी भी प्राइवेट व्यक्ति/संस्था द्वारा 13 अगस्त 2022 शाम 6 बजे से लेकर 17 अगस्त 2022 को शाम 6 बजे तक ड्रोन का संचालन नही किया जायेगा। इस आदेश का उल्लंघन धारा 188 भादवि के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

ग्रेटर नोएडा : नाले की सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत का मामला

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 क्षेत्र के चाई-4 सेक्टर में नाले की सफाई के दौरान लेंटर गिरने से दो मजदूरों की मौत के मामले में नाले का निर्माण करने वाली कंपनी के खिलाफ बीटा-2 थाने में मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के चाई-4 सेक्टर में बारिश के मौसम के मद्देनजर एक सूखे नाले की सफाई का काम हो रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के सेक्टर चाई-4 स्थित पेरिफेरल रोड के किनारे बने नाले की सफाई के दौरान नाले का लेंटर और दीवार भरभरा कर गिर गई और इसके मलबे में दबकर रेहान और दिलशान नामक दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि साहिल गंभीर रूप से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-4 के प्रबंधक सुरेंद्र कुमार ने बीटा-2 थाना में मामला दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि नाले का निर्माण करने वाली साईं कंस्ट्रक्शन कंपनी ने घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया, जिसके चलते नाले की छत का लेंटर टूट कर गिर गया और दो मजदूरों की मौत हो गई। कंपनी की तरफ से आरोप पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह से यमुना नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने बताया कि सुबह पांच बजे जलस्तर 205.99 मीटर तक पहुंच गया। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद शुक्रवार शाम करीब चसा बजे राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी का जलस्तर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार कर गया था, जिसके बाद अधिकारियों को निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को वहां से हटाने की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ी। एक पूर्वानुमान में कहा गया है कि शाम पांच बजे के आसपास जलस्तर के 206 मीटर के निशान को छूने के बाद स्थिर रहने की संभावना है। पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अनिल बांका ने कहा कि जिले में निचले इलाकों से करीब 2,300 लोगों को बाहर निकाला गया और शुक्रवार रात तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

प्रधानमंत्री के दोस्तवाद ने देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह किया चौपट : सिसोदिया

आजादी के बाद पिछले 75 साल के इतिहास में देश में पहली बार कोई केंद्र सरकार दूध-दही, आटा-चावल पर भी जनता से ले रही टैक्स

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के दोस्तवाद के कारण आज देश में आजादी के 75 सालों में पहली बार ऐसे हालात पैदा हो गए हैं कि केंद्र सरकार दूध-दही, आटा-चावल पर टैक्स लगा रही है। पहली बार ऐसे हालात उत्पन्न हो गए हैं कि केंद्र सरकार कह रही है कि हम सरकारी स्कूल नहीं बनवा सकते, अस्पताल नहीं बनवा सकते, बुजुर्गों को पेंशन नहीं दे सकते, गरीबों को राहत योजनाएँ नहीं दे सकते। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को एक प्रेस-कांफ्रेंस के दौरान यह बातें कही। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग इधर-उधर की बातें कर लोगों को बरगलाने के बजाय यह बताएं कि आखिर क्यों जनता के टैक्स के पैसे से जनता को सुविधाएं देने के बजाय मोदी जी के दोस्तों की तिजोरियों को भरने में लुटा दिया गया और दूध-दही, आटा-चावल पर केंद्र सरकार टैक्स लगा रही है।

'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज देश की अर्थव्यवस्था की हालत इतनी बुरी इसलिए हो चुकी है, क्योंकि केंद्र सरकार ने जनता के टैक्स के पैसे को मोदी जी के दोस्तों की तिजोरियों को भरने में लुटा दिया। दोस्तवादी सरकार ने अपने चंद दोस्तों के 5 लाख करोड़ रुपए के टैक्स और 10 लाख करोड़ रुपए के लोन माफ़ कर दिए। उन्होंने कहा कि जनता ने सरकार को जो पैसे उन्हें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली-पानी जैसी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए दिया, केंद्र की दोस्तवादी सरकार ने उन पैसों को मोदीजी के दोस्तों की तिजोरी भरने में लगा दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जनता के टैक्स के पैसों से अपने दोस्तों की तिजोरी भरी, उनके 15 लाख करोड़ रुपए के टैक्स व लोन माफ़ कर दिया और यह कह रही है कि सरकार से जनता को कुछ फ्री नहीं मिलेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, दवाइयां फ्री नहीं मिलेंगी और साथ ही केंद्र सरकार जनता से अब दूध-दही जैसी बुनियादी चीजों पर टैक्स मांग रही है और जब भाजपा से पूछा जाता है कि आजादी के बाद 75 साल के इतिहास में देश में ऐसा पहली बार क्यों हो रहा है कि केंद्र सरकार को ऐसे कदम उठाने पड़ रहे हैं तो भाजपा के लोग इधर-उधर की बातें करने लगते है।

'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा से भी जब यह सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी इसका जबाव नहीं दिया और इधर-उधर की बातें करने लगे।

उन्होंने कहा कि सवाल को भटकाने की बजाय वे बताएं कि प्रधानमंत्री के दोस्तवाद ने अपने दोस्तों की तिजोरी भरने के लिए देश की अर्थव्यवस्था को इतनी बुरी हालत में क्यों पहुंचा दिया कि आज केंद्र सरकार के पास स्कूल खोलने, अस्पताल खोलने के लिए पैसे नहीं है और केंद्र दूध-दही पर टैक्स लगा रही है।

सांसद रमेश बिधूड़ी ने ध्वजारोहण कार्यक्रम करवाया

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव 12 से 14 अगस्त हर घर तिरंगा अभियान के तहत सांसद रमेश बिधूड़ी ने महरौली जिला स्थित कुतुब मीनार पार्क, महरौली में दक्षिणी क्षेत्र नगर निगम द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम करवाया तथा निगम उपायुक्त सुश्री अंकिता व जिलाअध्यक्ष जगमोहन महलावत सहित तिरंगा फेहराकर हर घर तिरंगा लगाने की शुरूआत की। इसी कड़ी में आज सांसद रमेश बिधूड़ी ने प्रात: 5:30 बजे दक्षिणी दिल्ली जिले के संगम विहार में आयोजित 4 कि0मी0 की पैदल तिरंगा यात्रा जिसमें लगभग 2000 स्कूली बच्चे व अभिभावक, अध्यापकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यह यात्रा के.एस.के. अकादमी स्कूल से प्रारंभ होकर महरौली-बदरपुर रोड, मंगल बाजार रोड़ संगम विहार से निकली जहाँ जगह-जगह पर सांसद का क्षेत्रवासियों ने पूर्ण उत्साह के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।इस अवसर पर सांसद रमेश बिधूड़ी ने बताया कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाने की श्रृंखला में देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों से हर घर तिरंगा लगवाने का आह्वान किया है जिनका ध्येय सभी नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत रहे और देश के प्रति स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किए जाने का है। तथा सीमा पर प्रहरी हमारे सैनिकों का सम्मान जो तपती गर्मी व कड़कड़ाती सर्दी में अपने घर बूढ़े माँ बाप कि चिंता कौन करेगा इसकी परवाह किए बगैर डटे रहते हैं। बिधूड़ी ने आगे बताया कि इस अभियान के तहत दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में हर घर तिरंगा, 1 लाख 75 हजार झण्डें संकल्प के साथ लगाए जाएगें और ड्रोन केमरा के माध्यम से इस दृश्य का वीडियो भी बनाया जाएगा जो लोगों के देश के प्रति प्रेमभाव व उनके उत्साह को दर्शाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत सभी लोगों में निशुल्क झण्डे वितरित किए जा रहे हैं, परन्तु इस दौरान कुछ लोगों ने देश के प्रति अपनी भावनाएं व इच्छा व्यक्त करते हुए निशुल्क झण्डे लेना अनुचित भी समझा और उन्होंने देश के ध्वज के प्रति अपना प्रेम भाव दिखाते हुए झण्डा की राशि देने के पश्चात झण्डा ग्रहण किया। जो राशि सांसद व कार्यकर्ताओं के आह्वान पर प्रधानमंत्री राहत कोष में वह राशि दी जायेगी जिससे गरीबों के घातक कैंसर, हृदय व किडनी जैसी बीमारियों में सहायता दी जाती है। उक्त राशि को प्रधानमंत्री सहायता कोष में जमा करना तय किया। प्रधानमंत्री सहायता राहत कोष गरीबों के मुफ्त चिकित्सा और उपचार हेतु सहायता में आता है।

रक्षाबंधन पर मायके जाने की जिद में महिला ने खुद को आग लगाई

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन पर मायके जाने को लेकर पति से हुए झगड़े के बाद कथित तौर पर एक महिला ने अपने और पति के ऊपर पेट्रोल छिड़कर खुद को आग लगा ली। पति और सास ने जैसे-तैसे आग पर काबू पाया। झुलसी हुई हालत में महिला को दिल्ली एम्स की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जब घटना की जांच की तो महिला घर के बाहर खड़ी बाइक से पेट्रोल निकालते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे मुचलके पर रिहा कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक यासीन गढ़ी डासना निवासी कोमल रक्षाबंधन पर मायके जाने की जिद कर रही थी। इस पर उसके पति सोनू ने कहा कि उसे कुछ काम है, लेकिन वह चाहे तो मायके चली जाए। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। गुस्साई महिला घर के बाहर खड़ी बाइक से पेट्रोल निकाल कर लेकर आई और पहले अपने ऊपर और फिर पति के ऊपर उड़ेल दिया। इसके बाद महिला ने माचिस से खुद को आग लगा ली। पति सोनू व सास कमलेश ने आनन-फानन में पानी डालकर आग बुझाई। पति सोनू का कहना है कि पत्नी ने उसे भी आग लगाने की कोशिश की, लेकिन पानी डलने से माचिस भीग चुकी थी, लिहाजा आग नहीं जल सकी। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कोमल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया।

ग्रैंड ओमैक्स के बाहर भारी संख्या में पुलिस तैनात

नोएडा। महिला के साथ बदसलूकी के आरोप में गिरफ्तार श्रीकांत त्यागी के समर्थन में त्यागी समाज उतर आया है। खुद को बीजेपी नेता बताने वाले त्यागी के समर्थकों द्वारा शनिवार को सोसाइटी परिसर के बाहर प्रदर्शन की योजना बनाने के बाद ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी के पास भारी पुलिसबल को तैनात किया गया है। पुलिस ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया के जरिए सूचना मिली कि त्यागी के समर्थक उत्तर प्रदेश के मेरठ से मार्च कर रहे हैं, जहां आरोपी को गिरफ्तार किया गया था और वे नोएडा में हाउसिंग सोसाइटी में इकट्ठा होंगे। त्यागी समाज की तरफ से द्वारा ट्रैक्टर के जरिए मेरठ से नोएडा पहुंचने की आशंका है। सूचना मिलने के बाद, एहतियातन शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को सोसायटी के बाहर तैनात किया गया है। गालीबाज नेता के समर्थकों का कहना है कि त्यागी को एक महिला के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन पुलिस ने उसकी महिला समर्थकों के साथ भी दुर्व्यवहार किया है। उन्होंने आगे कहा कि त्यागी के लापता होने के बाद उसकी पत्नी और बच्चों को निशाना बनाया गया और उनका विरोध ऐसे हमलों के खिलाफ है।

थाना फेस टु पुलिस ने तीन चोरों को किया गिरफ्तार

कब्जे से चोरी किए गए सामान सहित अवैध असलहा बरामद

नोयडा। थाना फेस टु पुलिस ने कम्पनी मे चोरी करने वाले तीन अभियुक्तों दीपक साहनी पुत्र सुखदेव निवासी ग्राम मंझोल थाना चहरिया बहरिया बरियारपुर जिला बेगुसराय बिहार वर्तमान पता पेट्रोल पम्प के बगल में शराब के ठेके के पीछे गली नंबर 1 गाजीपुर दिल्ली, अरुण पुत्र प्रेम निवासी सोनू का होटल सेक्टर 63 ए थाना सेक्टर 63 नोएडा गौतमबुद्धनगर, ललित पुत्र सुदर्शन निवासी ग्राम एचौरा थाना अनूपशहर जिला बुलन्दशहर वर्तमान निवासी मुरली प्रधान कालोनी कुलेसरा थाना इकोटेक श्री गौतमबुद्धनगर को ककराला पुस्ता

जाने वाले कट के पास से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी का सामान दो इनवर्टर,तीन बैट्रा,एक बड़ा इण्डेन गैस सिलेण्डर,दो मॉनिटर,एक सीपीयू,एक लेमिनेशन मशीन,एक छोटा स्टूल फैन,एक प्रेस,दो छोटे ऑक्सीजन गैस सिलेण्डर,तीन प्लास,एक लोहे की डाई मशीन,दो प्लास्टिक के डिब्बो में भरे नट बोल्ट, एक बोरे में भरा कॉपर वायर और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है। अभियुक्तों द्वारा 8 अगस्त 2022 को फेक्ट्री सी-98 से कॉपर वायर आदि एवं दिनांक 11 अगस्त 2022 को कम्पनी नोवाटेक प्रिंटर प्राइवेट लिमिटेड से इन्वर्टर बैटरी,गैस सिलेंडर एवं कम्प्यूटर का सामान व इलेक्ट्रानिक आदि सामान चोरी किया गये था।

अभियुक्तगण शातिर किस्म के चोर हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

महिला ने एक मिनट में ई-रिक्शा चालक को 17 थप्पड़ जड़े, गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-110 के बाजार में शुक्रवार शाम ई-रिक्शा चालक से कार में हलकी सी टक्कर लग गई। इस पर कार सवार महिला ने ई-रिक्शा चालक से अभद्रता कर उस पर थप्पड़ बरसा दिए। उसने एक मिनट में 17 थप्पड़ मारते हुए चालक के कपड़े फाड़ने का भी प्रयास किया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद शनिवार को पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया।

सेक्टर-82 में रहने वाले मिथुन चौधरी ई-रिक्शा चलाते हैं। उनका कहना है कि उनसे महिला की कार में हलकी सी साइड लग गई। इस पर उसने उनके साथ अभद्रता की और उन पर थप्पड़ बरसा दिए।

वह महिला को रोकते रहे, लेकिन महिला नहीं मानी। उन्होंने पलटकर महिला पर कोई हमला नहीं किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर

जमकर वायरल हुआ। वीडियो में देखा जा रहा है कि महिला रिक्शा चालक को गालियां देते हुए थप्पड़ मार रही है। उसने एक के बाद एक 17 थप्पड़ रिक्शा चालक को धरे।

महिला ने रिक्शा चालक पर हाथ छोड़ने के साथ-साथ उसके जेब से जबरदस्ती रुपये भी निकाले और उसके कपड़े फाड़ने का प्रयास भी किया। यही नहीं, उसने उसके ई-रिक्शा की चाबी छीनने का भी प्रयास किया।

आरोपी महिला गिरफ्तार

इस मामले में ई-रिक्शा चालक की ओर से फेज-2 थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसके बाद पुलिस ने महिला की शिनाख्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसद्यर थप्पड़ बरसाने वाली महिला का नाम किरन सिंह है। वह श्रमिक कुंज में रहती है।

पीड़ित की सहनशीलता की तारीफ

वायरल वीडियो पर लोगों द्वारा महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कमेंट किए जा रहे हैं।

इसके अलावा ई-रिक्शा चालक की सहनशीलता की भी तारीफ की जा रही है कि उसने पलटकर महिला पर हमला नहीं किया।

जहांगीरपुरी हिंसा में वॉन्टेड शेख सिकंदर गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने 25 हजार रुपये का रखा था इनाम

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी हिंसा मामले में वॉन्टेड और 25 हजार रुपये के इनामी 38 वर्षीय एक व्यक्ति को उत्तर-पश्चिमी जिले के स्पेशल स्टाफ ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। यह बदमाश बीते चार महीने से फरार चल रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जहांगीरपुरी निवासी शेख सिकंदर अप्रैल में हुई हिंसा के बाद से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया गया था। डीसीपी (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगनानी ने कहा कि पुलिस को शनिवार को जहांगीरपुरी इलाके में एक व्यक्ति की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके हिंसा में शामिल होने की आशंका है। पुलिस टीम द्वारा जाल बिछाया गया और सिकंदर को पकड़ लिया गया। डीसीपी ने कहा कि सिकंदर का नाम जहांगीरपुरी थाने में पहले हत्या के एक मामले में भी दर्ज है।

दिल्ली में मंकीपॉक्स का 5वां मरीज मिला, 22 साल की महिला एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली । दिल्ली में मंकीपॉक्स का पांचवां मामला सामने आया है। नाइजीरिया की यात्रा कर चुकी अफ्रीकी मूल की एक 22 वर्षीय महिला को मंकीपॉक्स की पुष्टि होने के बाद इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम सभी संक्रमित और संदिग्ध मरीजों का इलाज कर रही है। लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली में मंकीपॉक्स का 5वां मामला सामने आया है। डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि एक 22 वर्षीय महिला के नमूने शुक्रवार को पॉजिटिव पाए गए और वर्तमान में वह अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में है। डॉ. ने बताया कि एक मरीज को एलएनजेपी में भर्ती कराया गया है और उसके नमूने पॉजिटिव पाए गए हैं। वर्तमान में 4 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और एक को छुट्टी दे दी गई है। दिल्ली में मंकीपॉक्स के कुल पांच मामले सामने आए हैं। वह कल पॉजिटिव आई थी। डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महिला की हाल ही में कोई ट्रैवल हिस्ट्री भी नहीं है, लेकिन एक महीने पहले उसने यात्रा की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के एक दिन बाद दिल्ली में इस साल 24 जुलाई को मंकीपॉक्स के पहले मामले की पुष्टि हुई थी। केंद्र सरकार ने भारत में फैले वायरस की जांच के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिनमें से एक देश के प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी भी शामिल था। अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को बीमार व्यक्तियों, मृत या जीवित जंगली जानवरों और अन्य लोगों के निकट संपर्क में आने से बचने की सलाह दी गई है। भारत में मंकीपॉक्स का पहला मामला केरल के कोल्लम जिले में 14 जुलाई को सामने आया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोसिस (जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाला वायरस) है, जिसमें चेचक के रोगियों में अतीत में देखे गए लक्षणों के समान लक्षण होते हैं, हालांकि यह चिकित्सकीय रूप से कम गंभीर है।

दीवार पर पेशाब करने पर हुई थी लड़ाई, चाकू से गोदकर कर दी युवक की हत्या; 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में 25 वर्षीय एक मयंक की सरेआम चाकू से गोदकर हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना सीसीटीवी कैमरा में दर्ज हो गई। घटना की फुटेज सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई है। पुलिस ने बताया, मयंक एक दीवार पर यूरिनेट कर रहा था, जिसके बाद आरोपी की मां ने उसे टोका। तब मयंक ने उनको भला बुरा कहना शुरू कर दिया और झगड़ा हो गया। इसके बाद आरोपी मनीष ने अपने तीन दोस्तों को साथ लेकर मयंक की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चाकू बरामद कर लिया है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बताया कि शाहपुर के रहने वाले 25 वर्षीय मयंक पंवार की 11 अगस्त को मालवीय नगर पीएस सीमा के अन्दर गेट नंबर 3, पर कई बार चाकू मारी गई। घायल अवस्था में मयंक को अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें बेगमपुर के डीडीए मार्केट के द्वार संख्या 3 के पास एक व्यक्ति को चाकू मारे जाने के बारे में सूचना मिली थी। पुलिस उपायुक्त बेनिता मेरी जयकर ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे हुई थी। उन्होंने बताया कि वीडियो में देखा जा सकता है कि शाहपुर जाट निवासी मयंक पंवार भाग रहा है और कुछ लोग उसका पीछा कर रहे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने नोएडा पुलिस से मांगा 11.50 करोड़ का हर्जाना

कमिश्नर को भेजा मानहानि का नोटिस

नोएडा । नोएडा के गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी मामले में अपना नाम घसीटे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने नोएडा पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह को 11.50 करोड़ रुपये का मानहानि का नोटिस भेजा है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने पुलिस कमिश्नर पर बिना जांच के मीडिया के जरिये उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि श्रीकांत त्यागी ने नहीं, कमिश्नर ने मेरा नाम उछाला। मेरा जनाधार बढ़ा हुआ है और भाजपा इससे घबराती है।

मौर्य ने नोटिस की कॉपी ट्वीट करके कहा, पुलिस कमिश्नर

गौतमबुद्धनगर ने विधानसभा पास को लेकर श्रीकांत त्यागी प्रकरण में बिना जांच-पड़ताल किए गैर जिम्मेदाराना हरकत कर प्रेस के माध्यम से पूरे देश में मेरी छवि-प्रतिष्ठा एवं लोकप्रियता को धूमिल करने का प्रयास किया, उसके परिप्रेक्ष्य में मानहानि करने संबंधी कानूनी नोटिस भेजी।

दरअसल, नोएडा में 5 अगस्त को ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में एक महिला से अभद्रता करने के मामले में नोएडा पुलिस ने श्रीकांत त्यागी को 9 अगस्त को सुबह मेरठ से तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद शाम को पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि त्यागी ने अपनी एक कार पर विधायकों को मिलने वाला एमएलए का स्टीकर भी चस्पा कर रखा था, यह स्टीकर हाल ही में विधान परिषद सदस्य बने समाजवादी पार्टी (सपा) के स्वामी प्रसाद मौर्य के नाम पर विधानसभा से आवंटित किया गया था।

कमिश्नर ने बताया था कि त्यागी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी केस दर्ज किया गया है। कथित तौर पर खुद को भाजपा नेता बताने वाले त्यागी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसके पास पांच लग्जरी कारें हैं। इनमें से एक फॉर्च्यूनर कार पर उसने विधानसभा से विधायकों को मिलने वाला खास स्टिकर चस्पा किया था। त्यागी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए मौर्य से यह स्टिकर उसे मिला था।

आलोक सिंह ने कहा कि त्यागी के पास से जो कारें मिली हैं, उन सभी का रजिस्ट्रेशन नंबर 001 है। आरोपी ने अपनी सभी कार का यह नंबर पाने के लिए लाखों रुपये खर्च किए हैं।

संपादकीय

इन चुनावों के संदेश महत्वपूर्ण

उपराष्ट्रपति के रूप में जगदीप धनखड़ निर्वाचित होंगे इसे लेकर किसी को कोई संदेह नहीं था। कुल 780 सांसदों में से राजग के 441 सांसदों एवं पांच मनोनीत सांसदों के अलावा बीजू जनता दल , वाईआरएससी, बसपा, तेलुगूदेशम, अकाली दल और शिवसेना ने भी समर्थन दिया था जिनके कुल 81 सांसद हैं। तृणमूल ने अपने 36 सांसदों के साथ पहले ही मतदान के बहिष्कार की घोषणा कर दिया था। इसलिए कुल मत 734 रह गया था। इनमें भी 725 सांसदों ने मतदान किया। धनखड़ को अपेक्षा के अनुरूप ही 528 वोट मिले। हालांकि मारग्रेट अल्वा को केवल 182 वोट मिलना विपक्ष के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। पूरा विपक्ष अगर उपराष्ट्रपति चुनाव में एकजुट होकर मतदान नहीं कर सकता तो इसका अर्थ गंभीर है। 1997 यानी 25 वर्ष बाद चुनाव में विजय का यह सबसे बड़ा अंतर है। वास्तव में धनखड़ की विजय महत्वपूर्ण तो है ही लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण उस विजय के पीछे का अंकगणित तथा विपक्ष के उम्मीदवार को वोट कम मिलना है। यह वर्तमान एवं भविष्य की भारतीय राजनीति की एक बड़ी रूपरेखा है जिसे गहराई से समझने की आवश्यकता है। वास्तव में उपराष्ट्रपति चुनाव परिणाम के दो प्रमुख पहलू हैं। पहला, राजनीति का संकेत एवं दूसरा , जगदीप धनखड़ की भावी भूमिका। राष्ट्रपति से लेकर उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में वर्तमान और भावी भारतीय राजनीति के दृष्टि से एक बात समान थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ का विरोध करते हुए भी भाजपा विरोधी पार्टियां दयनीय बिखराव का शिकार रहीं। जिन 15 सांसदों के मत अमान्य हुए संभव है कुछ ने जानबूझकर ऐसा किया होगा। उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति चुनाव को देखें तो ऐसा लगता है जैसे आजादी के बाद से 1977 तक विपक्ष कांग्रेस के सामने बिल्कुल कमजोर पड़ जाता था थोड़े भिन्न रूप में भाजपा और नरेंद्र मोदी के संदर्भ में वही स्थिति बनती जा रही है। हालांकि आज विपक्षी दलों की संख्या उस समय से ज्यादा है,शक्ति भी अधिक है, मीडिया में उनकी मुखरता भी है। बावजूद ऐसा लगता है जैसे भारतीय राजनीति भविष्य की दृष्टि से भाजपा के एकल वर्चस्व की ओर अग्रसर है। तृणमूल कांग्रेस उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान का बहिष्कार करेगा यह कल्पना से परे था। राज्यपाल के रूप में जगदीप धनखड़ एवं ममता बनर्जी सरकार के संबंध हमेशा तीखे रहे। बावजूद यदि ममता बनर्जी ने मतदान से अलग रहने का फैसला किया तो उसके मायने गंभीर है। इन दोनों चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि विपक्ष चाहे नरेंद्र मोदीऔर भाजपा के विरुद्ध अलग-अलग जितना जितनी आक्रामकता प्रकट करें वैचारिकता एवं दिशा का सर्वथा अभाव है। जब आपकी विचारधारा नहीं होती तो दिशा स्पष्ट नहीं होती और फिर आप समझ नहीं पाते कि हमें किस प्रसंग में क्या भूमिका निभानी है। विपक्ष इसी दुरवस्था का शिकार है और यह राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों चुनावों में प्रकट हुआ है। तो लोकसभा चुनाव के पहले के ऐसे चुनाव में, जहां उसे एकजुटता से रोकने वाला कारक मौजूद नहीं था, इस तरह बिखरा रहा तो वह मिलजुल कर आगे मोदी के लिए चुनौतियां पेश करेंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा हर प्रकार की सफलता को उत्सव के रूप में प्रतिध्वनि करती है। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव में इस प्रकार का उत्सव जैसा माहौल पहले भारत में नहीं देखा गया। इन सबसे समर्थकों और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता है तथा वे सकारात्मक आत्मविश्वास के साथ पार्टी के लिए काम करते रहते हैं। एक तरफ आत्मविश्वास से भरी हुई भाजपा तथा दूसरी तरफ वैचारिक दिशा भ्रम एवं बिखराव का शिकार विपक्ष। उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति चुनाव ने संपूर्ण भारतीय राजनीति का यही परिदृश्य उत्पन्न किया है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि उपराष्ट्रपति के रूप में जगदीप धनखड़ के लिए बिल्कुल सुगम और अनुकूल परिस्थितियां होंगी। हमारे देश में उपराष्ट्रपति यद्यपि कार्यकारी पद है लेकिन राज्यसभा का सभापति होने के कारण वे संसद के भी अंग हैं। उपराष्ट्रपति की मुख्य भूमिका राज्य सभा के संचालन में ही होती है। देश में राजनीतिक विरोध जितना तीखा एवं हिंसक होता जा रहा है उसका शिकार भारतीय संसद भी हुआ है। हमने देखा विपक्षी दल किस तरह सभापति के आसन पर कागज फेंकने से लेकर मेज पर चढ़कर हंगामा करते हैं।

भ्रष्टाचार मिटाने में नाकाम रहे हैं राज्यों के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो

योगेंद्र योगी

ब्यूरो की पकड़ में कभी भ्रष्टाचार के मगरमच्छ नहीं आते। इनकी पकड़ सिर्फ छोटी मछलियों तक रहती है, ताकि सरकार को लगे कि वाकई ब्यूरो भ्रष्टाचार के खात्मे की दिशा में अग्रसर है। इसके विपरीत भ्रष्ट बड़े अधिकारी और नेताओं के काले कारनामों की तरफ ब्यूरो आंख फेरे रहता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को खत्म करने के आदेश के बाद देशभर में भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्यों में कार्यरत ऐसे ब्यूरो पर सवालिया निशान लग गया है। हाईकोर्ट ने इस ब्यूरो को नाकारा और भ्रष्टाचार का संरक्षण देने वाला मानते हुए भंग करने के आदेश दिए हैं। संभव है कि कर्नाटक सरकार इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट तक चुनौती दे। यह भी संभव है कि अदालत इस फैसले पर रोक लगा दे या बदल दे। किन्तु इतना जरूर है कि इस फैसले ने राज्यों में भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए गठित ऐसे ब्यूरो के औचित्य पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कर्नाटक में ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के औचित्य पर सवाल उठाया गया है, बल्कि देश के ज्यादातर राज्यों के ब्यूरो का यही हाल है। राज्यों में कार्यरत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने के अड्डे बन गए हैं। राज्यस्तरीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का गठन राज्य सरकारें करती हैं। इनमें खासतौर पर क्षेत्रीय सत्तारुढ़ दल ब्यूरो में ऐसे पुलिस अफसरों को तैनात करते हैं, जोकि उनकी उंगलियों पर नाच सकें। ब्यूरो का गठन भले ही भ्रष्टाचार मिटाने के लिए किया गया हो, किन्तु हकीकत में इनका टारगेट सरकार के इशारे पर तय होता है। खासतौर पर क्षेत्रीय सरकारें अपने विरोधियों को सबक सिखाने के लिए इसका इस्तेमाल करती रही हैं। कर्नाटक का फैसला इसी बात का प्रमाण है। वैसे भी ब्यूरो की पकड़ में कभी भ्रष्टाचार के मगरमच्छ नहीं आते। इनकी पकड़ सिर्फ छोटी मछलियों तक रहती है, ताकि सरकार को लगे कि वाकई ब्यूरो भ्रष्टाचार के खात्मे की दिशा में अग्रसर है। इसके विपरीत भ्रष्ट बड़े अधिकारी और नेताओं के काले कारनामों की तरफ ब्यूरो आंख फेरे रहता है। ब्यूरो के अफसरों को इनकी काली कमाई नजर नहीं आती। राज्यों में खासतौर से क्षेत्रीय दलों पर किसी का अंकुश नहीं और पार्टी के प्रति जवाबदेयी तय नहीं होती, जबकि राष्ट्रीय पार्टियों में फिर भी कुछ जिम्मेदारी रहती है। ऐसे में सत्तारुढ़ क्षेत्रीय पार्टियां मनमानी पर उतर आती हैं। ब्यूरो के अफसर राज्य सरकार के सामने नतमस्तक हुए रहते हैं। दशकों से चली आ रही राज्यों के भ्रष्टाचार ब्यूरो की कार्यशैली से आम लोगों को यह भरोसा पूरी तरह उठ चुका है कि यह सरकारी विभाग भ्रष्टाचार को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके विपरीत ब्यूरो सत्ताधारियों और वरिष्ठ अफसरों की अवैध कमाई का खुलासा करने के बजाए कार्रवाई के लिए सरकार का मुंह ताकता रहता है। ब्यूरो में पुलिसकर्मियों और अफसरों की तैनाती की जाती है। अलबत्ता तो ब्यूरो में पुलिसकर्मी जाने के इच्छुक नहीं रहते, कारण साफ है, वर्दी नहीं होने से वहां रौब-दाब और ऊपरी कमाई गायब रहती है। ऐसे में ब्यूरो के कार्मिक बेमन से अपनी ड्यूटी को अंजाम देते हैं, उनकी कोशिश यही होती है कि किसी न किसी तरह जुगाड़ बिठा कर वापस पुलिस विभाग में चले जाएं। इतना ही नहीं राज्यों की सरकारों ने ब्यूरो के कामकाज में बाधा डालने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है। सरकार की मंजूरी के बगैर आईएएस, आईपीएस और अन्य अधिकारियों के खिलाफ ब्यूरो को अदालत में आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति नहीं है। इसके लिए राज्य सरकार की मंजूरी लेना आवश्यक है। ज्यादातर राज्य सरकार ब्यूरो की स्वीकृति मांगने वाली फाइल पर कुंडली मार कर बैठ जाती हैं। ऐसे में जो ब्यूरो अफसरों का भ्रष्टाचार के खिलाफ जो थोड़ा बहुत साहस बचा रहता है, वो भी खत्म हो जाता है।

क्या दल बदलुओं की खाल उधेड़नी पड़ेगी?

प्रियंका 'सौरभ'

जो विधायक या सांसद किसी पार्टी के चुनाव चिन्ह पर लड़कर चुनाव जीतने के बाद अगर पार्टी बदलते हैं तो उनका सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। जो यह कहते हैं कि उसने इसलिए पार्टी बदली है ताकि जनता की भलाई कर सके। उससे झूठा, ठग,बेलिहाज कोई नहीं हो सकता। हर विधायक,सांसद को उसके हल्के में खर्च करने के लिए फंड मिलता है, हर एक को तनख्वाह मिलती है। फिर उन्हें बदलूराम बनने की जरूरत क्या है? जवाब साफ़ सा है-व्यक्तिगत स्वार्थ। दरअसल विधायक, संसद को हम ही बिगाड़ रहे हैं। क्यों पहनाते हो उनको फूल माला? क्यों बुलाते हो घरेलू समारोह में? हम उनको इसलिए चुनते हैं कि हमारे नौकर बनकर कार्य करें,लेकिन वे समझ लेते हैं खुद को मालिक,,यही से गड़बड़ शुरू होती है। क्या आज का वोटर यह देखता है कि कौन नेता कितना ईमानदार या बेईमान है या वह अपनी पार्टी के प्रति कितना वफ़ादार है? क्या जनता में इतना दम नहीं कि वह दलबदलुओं को चुनावों में सबक सिखा सके। जिस सरकार से जनता परेशान थी उसी सरकार के दलबदलू मौक़े की नज़ाकत को देखते हुए दलबदल फिर से सरकार में आ जाते हैं। फिर जनता ने किसको, कैसा सबक सिखाया? जनता को चाहिए दलबदलुओं को वोट के दल-बल से राजनीति के बाहर का रास्ता दिखा दे। तभी लोकतांत्रिक व्यवस्था सुधर सकती है।

हर कीमत पर जीत और अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए दूसरे दल के पहलवानों को भी अपना बनाने के लिए हर चाल चली जा रही है। पहलवान तो पहलवान ताली बजाने और दंगल में जिंदाबाद के नारे लगाने वालों की भी मौज बहार आ रखी है। जिसको अपनी गली के लोग नहीं पहचानते थे वो नेताजी बन गए हैं। खुद पार्टी को भी नहीं पता होता कि ये हमारी पार्टी में था भी कि नहीं.. ? जब दूसरी पार्टी बोलती है कि हमने इन्हें शामिल कर दूसरे दल को बड़ा झटका दिया है तब उसे पता चलता है कि अबे ये अपनी पार्टी में था.... ? हर छुटभैया नेता आजकल दलबदल के लिए तैयार रहता है। वह मौके की तलाश में रहता है। मौका देख के मारो चौका। कोई बोले तो सही कि आओ, हमरे दल की शोभा बढ़ाओ। छुटभैया सोचता है, दलबदल करो तो अखबार वाले बढ़ा-चढ़ा कर खबरें छाप देते हैं। कुछ दलबदलुओं को हर पार्टी में बहुत जल्दी दम घुटने लगता है। सुबह दल बदलते हैं, तो दोपहर को दम घुटने लगता है और वे पार्टी छोड़ देते हैं और नई पार्टी में जा घुसते हैं। साँप भी शरमा जाता है केंचुल बदलने में। चुनाव के समय दलबदल एक्सप्रेस सुपरफास्ट हो जाती है। दलबदलू जल्द-से-जल्द सफलता के स्टेशन

हम उनको इसलिए चुनते हैं कि हमारे नौकर बनकर कार्य करें, लेकिन वे समझ लेते हैं खुद को मालिक, यही से गड़बड़ शुरू होती है। क्या आज का वोटर यह देखता है कि कौन नेता कितना ईमानदार या बेईमान है या वह अपनी पार्टी के प्रति कितना वफ़ादार है? क्या जनता में इतना दम नहीं कि वह दलबदलुओं को चुनावों में सबक सिखा सके? जिस सरकार से जनता परेशान थी उसी सरकार के दलबदलू मौक़े की नज़ाकत को देखते हुए दलबदल फिर से सरकार में आ जाते हैं। फिर जनता ने किसको, कैसा सबक सिखाया? जनता को चाहिए दलबदलुओं को वोट के दल-बल से राजनीति के बाहर का रास्ता दिखा दे। तभी लोकतांत्रिक व्यवस्था सुधर सकती है।

तक पहुँचना चाहता है। किसी को टिकट मिल जाता है, तो किसी को कोई पद। जैसी जिसकी औकात।

जनसेवक की सार्थकता जनता की सेवा में है। जनसेवा मतलब टिकट मिलना, चुनाव लड़ना, विजयी होना और सरकार में कोई सेवादार पद प्राप्त करना। पद न मिला तो सेवा कार्य में अड़चन होती है। इसीलिये लोग संभावित सत्ता पाने वाले दल से चुनाव लड़ना चाहते हैं। उसी से जुड़ना चाहते हैं। चुनाव के समय चलने वाली हवा में वे सरकार बनाने वाली पार्टी को सूंघते हैं। आदमी कुत्ते में बदल जाता है। आत्मा की आवाज पर जमीर बेंच देता है। दलबदल लेता है। अकेले या समर्थकों सहित नये दल में शामिल हो जाता हैं। क्या लोग दलबदलुओं को खराब निगाहों से नहीं देखते। सत्ता के लिये दलबदल बेईमानी नहीं है। लालची नहीं है। लोलुप नहीं है। क्या समय के साथ लोगों की सोच बदली है। दलबदल अब मौका परस्ती नहीं रहा। वह उचित अवसर की पहचान है। अभी-अभी नितीशकुमार दल बदलुओं की तरह आंख फेरकर लालु जी से जा मिले ओर चेलेंज कर रहे हैं मोदी जी को 2024 में नही आने देंगे। क्या लगता है मित्रों? क्या सुशासन बाबु मोदीजी को रोक पायेंगे क्या? दल-बदलुओं का इतिहास भारत ही नहीं पूरी दुनिया में बहुत पुराना है. अपने राजनीतिक और निजी हित के लिए नेताओं ने इस कदर राजनीतिक पार्टियां बदली हैं कि इसके अनूठे रिकॉर्ड बन गए हैं.

वैसे 10वीं अनुसूची पर बहस बार-बार होती रही है। इसके चैप्टर 2 का पार्ट 1 (ए) कहता है कि सदन में किसी भी दल का सदस्य अयोग्य करार दिया जा सकता है यदि वह स्वेच्छा से वह पार्टी से अपनी सदस्यता छोड़ देता है। कांग्रेस के कानूनी सलाहकारों एवं सत्तापक्ष का मानना है कि विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं होना (पायलट ने पार्टी व्हिप को नजरअंदाज करते हुए कांग्रेस विधायक दल की दो बैठकों का बहिष्कार किया) स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ने जैसा है, लेकिन कई एक्सपर्ट इससे सहमत नहीं हैं। पिछले कुछ सालों में देश भर में इस तरह के कई हाई-प्रोफाइल केस में दलबदल विरोधी कानून पर खूब बहस हई है. यदि किसी राजनीतिक दल से संबंधित सदन का सदस्य स्वेच्छा से अपनी राजनीतिक पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है, या अपने राजनीतिक दल के निर्देशों के विपरीत, वोट नहीं देता है या विधायिका में वोट नहीं करता है। और यदि सदस्य ने पूर्व अनुमति ले ली है, या इस तरह के मतदान या परहेज से 15 दिनों के भीतर पार्टी द्वारा निंदा की जाती है, तो सदस्य को अयोग्य घोषित नहीं किया जाएगा। लेकिन विधायक कुछ परिस्थितियों में अयोग्यता के जोखिम के बिना अपनी पार्टी को बदल सकते हैं। कानून एक पार्टी के साथ या किसी अन्य पार्टी में विलय करने की अनुमति देता है, बशर्ते कि कम से कम दो-तिहाई विधायक विलय के पक्ष में हों। ऐसे परिदृश्य में, न तो वे सदस्य जो विलय का निर्णय लेते हैं, और न ही मूल पार्टी के साथ रहने वालों को अयोग्यता का सामना करना पड़ेगा।

वैसे देखा जाए तो पार्टी निष्ठा सरकार को स्थिरता प्रदान करती है। यह सुनिश्चित करता है कि उम्मीदवार पार्टी के साथ ही नागरिकों के लिए भी उसके प्रति वफादार रहें। पार्टी के अनुशासन को बढ़ावा देता है। विरोधी दलबदल के प्रावधानों को आकर्षित किए बिना राजनीतिक दलों के विलय की सुविधा राजनीतिक स्तर पर भ्रष्टाचार को कम करने की उम्मीद है। एक सदस्य के खिलाफ दंडात्मक उपायों के लिए प्रदान करता है जो एक पार्टी से दूसरे में दोष करता है। ऐसे में एक ही राजनीतिक दल के सदस्यों द्वारा असमान स्थिति या मनमुटाव की एक सार्वजनिक छवि को राजनीतिक परंपरा में वांछनीय स्थिति के रूप में नहीं देखा जाता है। हालाँकि जब सरकार के गठन में अनेक राजनीतिक दल शामिल होते हैं तो वहाँ दलों के बीच मनमुटाव को उचित ठहराया जा सकता है। ऐसे समय में जब भारत की रैंक नवीनतम लोकतंत्र सूचकांक% में बुरी तरह गिर गई है, आज हमारी संसद से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इन सबको को सुधारने और मज़बूत करने के लिये कदम उठाए। समयानुसार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा दलबदल कानून में संतुलन बनाए रखने के लिये कानून में आवश्यक बदलाव किये जाने की पुरजोर आवश्यकता है। और अगर दल बदलुओं में दम है तो निर्दलीय जीतकर अपनी हनक दिखाएँ ये मौक़ापरस्त नेता। दलबदलुओं को भी यही गलतफहमी है कि उनके अनुयायियों की भीड़ दिल से उनके साथ है, किसी दल के साथ नही।

अमृत महोत्सव के पावन स्वतंत्रता दिवस के साथ वैश्विक नेतृत्व के संकल्प की शपथ लें

संपूर्ण भारत देश को स्वतंत्रता दिवस की अनंत बधाइयां, अशेष शुभकामनाएं। आइए अमृत महोत्सव के इस स्वाधीनता के पर्व पर हम यह संकल्प लें कि भारत को न सिर्फ विश्व का एक सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाकर वैश्विक नेतृत्व की संकल्पना को साकार करते हुए नए वैश्विक क्षितिज में नवीन भारत के उदय के लिए प्रण और प्रतिज्ञा लें। भारत की वीरांगनाओं, मनीषियों, तपस्वीओ, शिक्षकों, कलाकारों, वीर योद्धाओं, साहित्यकारों एवं तमाम देश का नेतृत्व करने वाले राजनेताओं के खून और पसीने के संघर्ष के बाद प्राप्त आजादी का महत्व समझते हुए देश को सर्वांगीण विकास की धारा में अग्रसर करते हुए श्रेष्ठ भारत की संकल्पना करते हुए हम दृढ़ संकल्पित होते हैं ।भारत की विनम्रता और शांति के पहल की विश्व के सभी राष्ट्र पूरी शिद्दत से इज्जत की नजरों से देखते हैं। भारत सदैव विश्व मंच पर शांति सौहाद्र और विनम्रता की नीति को रखता आया हैद्य भारत ने सदैव शांति और अहिंसा को ही अपना परम धर्म मान कर वैश्विक शांति की पैरवी की हैद्य भारत का सदैव मानवतावादी दृष्टिकोण ही रहा है एवं उतनी ही संवेदनशीलता के साथ उसने अंतरराष्ट्रीय जगत पर अपनी बात का प्रभाव छोड़ा हैद्य पर इसका कतई अर्थ यह नहीं है कि भारत कमजोर या भीरू है। भारत की वैज्ञानिक तथा सामरिक शक्ति अब दुनिया में चौथे नंबर पर आ चुकी है ।और हमारे पड़ोसी देश चीन,पाकिस्तान इस मुगालते में बिल्कुल ना रहे कि वह भारत की तरफ आंख उठाकर उस पर किसी भी तरह आक्रमण करने की कोशिश करें। भारत अब एक स्वाभिमानी शक्तिशाली राष्ट्र बन चुका है और किसी भी आतताई शक्ति को हर स्तर पर मुंहतोड़ जवाब दे सकता है। इसीलिए भारत अब धीरे धीरे वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली और मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है।

भारत की संस्कृति प्रागैतिहासिक काल से विनम्रता,सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए।

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजई होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति %अधजल गगरी छलकत जाए% की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, ाक

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है।

इस तरह से अपने फोन खो जाने भी पर अपने व्हाट्सएप चैट को सुरक्षित रख सकते हैं

यदि आपका फोन गुम हो जाता है या चोरी हो जाता है तो आपको अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। व्हाट्सएप यूजर्स फोन के गंभीर नुकसान या चोरी की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए क्या कर सकते हैं?

अपना सिम कार्ड लॉक करें

- अगर आपका फोन गुम हो गया है तो सिम को ब्लॉक कराने के लिए अपने मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर को कॉल करें। ऐसा करने से आप किसी को भी अपने व्हाट्सएप अकाउंट को वेरिफाई करने और उस तक पहुंचने से रोकेंगे।
- सिम को अक्षम करने के बाद, उसी फोन नंबर के लिए एक नया सिम खरीदें और व्हाट्सएप को फिर से सक्रिय करें।
- एक बात का ध्यान रखें कि व्हाट्सएप एक डिवाइस पर एक बार में केवल एक नंबर से ही एक्टिवेट हो सकता है।
- यदि एक नया सिम प्राप्त करने से आप अपना व्हाट्सएप सक्रिय नहीं कर पाएंगे,
- support@whatsapp.com पर संपर्क करें। ईमेल के मुख्य भाग में अपना फ़ोन नंबर पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में लिखें, इसके बाद वाक्यांश "Lost/Stolen: Please deactivate my account"। फिर, ईमेल भेजें। आपका व्हाट्सएप अकाउंट निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

इन बातों का रखें ख्याल

30 दिनों के लिए, जिन लोगों को आप जानते हैं उनके संदेश लंबित रहेंगे। आपको अपने नए फ़ोन पर कोई भी लंबित संदेश प्राप्त होगा और यदि आप अपने खाते को मिटाने से पहले पुन: सक्रिय करते हैं तो आप समूहों में जुड़ सकेंगे। यदि आप इसे सक्रिय नहीं करते हैं तो आपका खाता 30 दिनों में पूरी तरह से मिटा दिया जाएगा। अगर आपने फोन सेवा बंद होने के बाद भी व्हाट्सएप को निष्क्रिय नहीं किया है, तो सिम कार्ड लॉक होने के बाद भी आप इसे वाईफाई के माध्यम से उपयोग कर सकते हैं।

युवा संवाद - इंडिया एट 2047

भारत को अब बलिदान नहीं योगदान की दरकरार - युवा वो इंजन हैं जो देश को कामयाबी के शिखर की ओर ले जाते हैं

युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ा योगदान देकर देश को विश्व गुरु बनाने का संकल्प आज़ादी के अमृत महोत्सव में लेना समय की मांग - एडवोकेट किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनिया के देशों की नजरें एकटक भारत पर लगी हुई है कि कैसा खूबसूरत है यह देश और यहां के सज्जन मानुषी जीव जिनमें इतना सारा जोश ज़ज्बा और जुनून भरा है कि कभी तालियों, थालियों,घंटियों को बजा कर अपने फ्रंटलाइन योद्धाओं को संकल्प सिद्धि मंत्र से प्रोत्साहित कर महामारी कोभगाने का दृढ़ संकल्प लेकर वैक्सीनेशन डोज 200 करोड़ पार कर देते हैं तो कभी विज़न 2047, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का संकल्प, तो अभी अपनी भारत माता की शान में हर घर तिरंगा और आजादी का 75 वां अमृत जयंती महोत्सव का जबरदस्त जुनून के साथ 135 करोड़ हर धर्मों के नागरिक सर्वधर्म सद्भाव से एक साथ देश भक्ति और राष्ट्र भक्ति में इतने मग्न हो गए हैं कि चहूं और तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, भारत माता की जय, वंदे मातरम, यह देश है वीर जवानों का अलबेलों का मस्तानों का, नारों पर ऐसे झूम रहे हैं जो भारत के इतिहास में शायद पहली बार हम लोग ऐसा जुनून देख रहे हैं। विश्व में सर्वोच्च बुद्धि क्षमता का परिचायक भारतीय नागरिकों के ऐसे हौसलों से ही भारत के धुर विरोधी तो क्या सच्चे दोस्त भी अचंभे में हैं!! ऐसा है हमारा भारत देश!! वहीं कोई मतभेद नहीं दिख रहा है चाहे विपक्षी पार्टियां भी हो, भले ही अपने अपने रूप में पर तिरंगे का सम्मान जोर शोर से कर रहे हैं और हमें पूरा विश्वास है 15 अगस्त 2022 को यह जश्न अपने चरम स्तर पर होगा!!जब लाल किले से झंडा फहराया जाएगा, इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से अमृत जयंती महोत्सव, युवा संवाद इंडिया एट 2047 पर चर्चा करेंगें।

साथियों बात अगर हम अमृत महोत्सव, हर घर तिरंगा और स्वतंत्रता दिवस की 75 वी जयंती पर उत्साह और जुनून की करें तो भारत की आबादी का 65फ़ीसदी युवाओं में अभूतपूर्व जोश और उत्साह बड़ी उमंग के समानें खुशियों की भी नतमस्तक है!!बुजुर्गों का कहना है कि इन 75 वर्षों में पहली बार इतना जोश देख रहे हैं, जिसके संकेत सुरक्षित और उज्जवल भविष्य की ओर उंगली उठा रहे हैं कि हम 100 वें स्वर्ण जयंती महोत्सव 2047 में कहां होंगे इसका उत्तर हमें विश्व गुरु बनने की ओर ले जाता है। साथियों बात अगर हम 12 अगस्त 2022 को युवा संवाद इंडिया रेट 2047 में माननीय केंद्रीय मंत्रियों द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की प्रतिभा, लगन एवं ज़ज्बा हमें प्रेरणा देने वाले और हमारा उत्साह बढ़ाने वाले हैं। उन्होंने युवा संवाद के आयोजन के लिए खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय की सराहना की ।खासकर ऐसे महत्वपूर्ण समय में जब हम आजादी का अमृत महोत्सव% मना रहे हैं और अपनी आजादी के 75वें वर्ष को सेलिब्रेट कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि इन संवादों से देश में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने देश के युवाओं से आग्रह किया कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति भीजागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथियों युवा देश के कर्णधार है, युवा सोशल मीडिया पर जागरूक रहकर एक दूसरे को जागरूक करते हैं। युवाओ को जातिवाद से दूर रहना है। स्वार्थ सिद्ध करने के लिए कुछ लोग जातिवाद कर रहे है युवाओं को उनसे सावधान रहना होगा। पूरे देश में राष्ट्रवाद की लहर चल रही है यह लहर बस्सी में भी चलनी चाहिए। बदलाव की लहर युवाओं के हाथों में ही है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारतीय मूल्यों,लोकाचार, ज्ञान और मॉडलों को दुनिया के सामने ले जाने की जिम्मेदारी हमारे युवाओं पर है। जिस भावना और ईमानदारी के साथ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, हमारे आज के युवाओं को भी भारत को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए वही भावना और ईमानदारी खुद में विकसित करनी चाहिए, खासकर अमृत काल के इन 25 वर्षों में।

साथियों उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है, अपने हजारों वर्षों के इतिहास में हमारी युवा शक्ति ने ही अपने देश की नियति को आकार देने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, शहीद बाजी राउत, रानी गाइदिन्ल्यू एवं उनके जैसे अनगिनत लोगों ने हमें प्रेरित किया और अपनी युवावस्था में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। आगे कहा कि भारत के पास अपनी समृद्ध सभ्यता की विशाल जड़ें हैं। इस विरासत को आगे ले जाने की जिम्मेदारी हमारी उत्साही युवा जनसंख्या पर है। साथियों इस मौके पर दूसरे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, जिस प्रकार पीएम हमेशा कहते हैं, युवा वो इंजन हैं जो देश को कामयाबी की ओर ले जाते हैं। अब हमारे युवाओं का ये कर्तव्य है कि वे अमृत काल के दौरान देश को कामयाबी के शिखर की ओर ले जाएं। अमृत काल में युवाओं को अमृत लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ा योगदान देना होगा और देश को विश्वगुरु बनाना होगा। उन्होंने युवाओं से हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेने का आग्रह किया।

तिरंगा 130 करोड़ भारतीयों की एकता का प्रतीक है। स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी, लेकिन देश को विश्वगुरु बनाने के लिए अब युवाओं से बलिदान नहीं योगदान की दरकार है।

आजादी के इस महोत्सव

तोड़ गुलामी की बेड़ी को मना रहे आजादी वर्षगांठ।
आजादी के इस अमृत महोत्सव मना रहे आजादी वर्षगांठ।।
नमन तुम्हें हे भारत माता नमन तुम्हें हे वीर सपूत ।
गुलामी की उस बेड़ी को तोड़ने का जिसने प्रयास किया भरपूर।।
शीश किए जिसने भी अर्पण उस सैनिक को करते नमन।
भारत की रक्षा में जिसने अर्पित कर दिए अपना तन और मन ।।
नवनिर्माण के इस चौराहे करते रहना है विचार।
पीछे किए गए भूलों पर करना होगा पुन: विचार।।
कमी कहां थी सोचों में जिससे दंश मिल रहा बारंबार।
उन सोचों को सही दिशा दे कर करना बस अब भूल सुधार।।
प्रगति की राह प्रशस्त हो और गढ़ें हम नव इतिहास।
विश्व पटल पर परचम लहराकर गढ़ ले बस नव इतिहास।।
बंदे भारत गाते जाएं मिलकर के हम सब मिल साथ ।
अपनी अपनी क्षमता से भारत के विकास में दे दें साथ।।
विश्वगुरु का परचम अपना चलता जायेगा अपने साथ।
विश्व पटल पर तिरंगा अपना फहरेगा फिर अपने आप।।

शार्ट न्यूज

बदायूं में हादसा : गंगा नहा रहे पांच बच्चे डूबे, एक का शव मिला, चार की बची जान

बदायूं। यूपी के बांदा में नाव पलटने से हुआ हादसा लोग अभी भूल भी नहीं पाए थे कि शनिवार को बदायूं में हुई घटना ने लोगों ने होश उड़ा दिए। यहां गंगा नहाने गए पांच बच्चे डूबे गए। चार बच्चे किसी तरह बाहर निकल आए। एक का शव बरामद होने के बाद इलाके में कोहराम मच गया। मामला बदायूं जिले के उझानी क्षेत्र के गांव कोटरा सारगपुर का है। जानकारी के अनुसार शनिवार को कुछ बच्चे जानवर चराने के लिए गंगा नदी पार करके नूरगंज गांव की ओर गए थे। लौटते समय पांच बच्चे गंगा में नहाने के लिए चले गए। नहाने के दौरान बच्चे गहरे पानी में समा गए। देखते ही देखते सभी डूबने लगे। इसकी जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली तो वह मौके पर दौड़ पड़े। इस बीच चार बच्चे किसी तरह पानी से बाहर निकल आए लेकिन एक बच्चा नदी में ही डूब गया। एक बच्चे का शव नदी से बाहर आया तो परिवार में कोहराम मच गया।

बेकाबू भीड़ के कारण ताजमहल के मुख्य गुंबद में सैलानियों का प्रवेश बंद

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा स्थित एतिहासिक ताजमहल में इन दिनों सैलानियों के लिये प्रवेश निशुल्क होने के कारण उमड़ रही भीड़ के मद्देनजर पर्यटकों एवं संरक्षित इमारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने अगले तीन दिनों के लिये ताज महल के मुख्य गुंबद को बंद रखने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत एएसआई ने देश भर के संरक्षित स्मारकों में पर्यटकों के लिये प्रवेश नि:शुल्क कर दिया है। इन दिनों ताजमहल और इसके मुख्य गुंबद में भी नि:शुल्क प्रवेश दिया जा रहा था, लेकिन बेकाबू होती भीड़ के कारण मुख्य गुंबद में 13, 14 और 15 अगस्त को पर्यटक प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इस अवधि में ताज महल के चमेली फर्श पर स्थित मुख्य मकबरे में पर्यटकों को प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे पर्यटक शाहजहां और मुमताज की कब्रों का दीदार नहीं कर पाएंगे। ताज महल के दीदार को प्रतिदिन औसतन 50 हजार पर्यटक आ रहे हैं। गुरुवार को तो 70 हजार से अधिक पर्यटक आए। पश्चिमी गेट पर बेकाबू भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कई बार लाठियां फटकारने की नौबत आई थी। लंबी लाइनें स्मारक के पूर्वी व पश्चिमी द्वार के अतिरिक्त चमेली फर्श पर भी मुख्य गुम्बद पर जाने को लगीं।

बच्चों को राष्ट्रध्वज सौंप कर योगी ने शुरू किया 'हर घर तिरंगा' अभियान

लखनऊ। देश की आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हाथों में राष्ट्रध्वज तिरंगा, मन में राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने की इच्छा और 'वंदेमातरम एवं भारत माता की जय' के ओजस्वी नारों से गुंजायमान वातावरण में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बच्चों को राष्ट्रध्वज सौंप कर 'हर घर तिरंगा अभियान' का आगाज किया। मुख्यमंत्री आवास परिसर में स्कूली बच्चों के साथ योगी ने आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर 13 से 15 अगस्त तक आयोजित 'हर घर तिरंगा' अभियान की औपचारिक शुरुआत की। योगी ने स्कूली बच्चों के हाथों में तिरंगा सौंपा तो बच्चों के गर्व और खुशी मिश्रित भाव वाले चेहरे देख लगा मानो नई पीढ़ी अपनी महती जिम्मेदारियों का अहसास कर रही हो। तिरंगा देते हुए मुख्यमंत्री ने बालक-बालिकाओं से उनका परिचय पूछा और आजादी के अमृत महोत्सव के मायने बताए। सीएम ने बच्चों की प्रभात फेरी को हरी झंडी भी दिखाई। मुख्यमंत्री योगी के स्वर में स्वर मिलाकर 'वंदे मातरम और भारत माता की जय' के नारे लगाते स्कूली बच्चों का उल्लास चरम पर था। इस दौरान सीएम योगी ने सभी बच्चों को उपहार भी दिए। ज्ञात हो कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक राष्ट्रव्यापी 'हर घर तिरंगा अभियान' आयोजित किया गया है। इसके तहत सभी सरकारी, निजी, और वाणिज्यिक भवनों पर लोग स्वत: स्फूर्त भाव से राष्ट्रध्वज फहरा रहे हैं। अभियान के तहत प्रदेश में 4.5 करोड़ ध्वज फहराये जाने का अनुमान है।

मोदी फोबिया से पीड़ित लोगों का जनता करेगी 'छू मंतर' : नकवी

रामपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंहगाई के मुद्दे पर काले कपड़े पहन कर किये गये कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष 'मोदी फोबिया के राजनैतिक रोग' से पीड़ित है और जनता ऐसे लोगों के 'काले-गोरे मंतर को छू मंतर' कर देगी। आजादी के अमृत महोत्सव पर यहां आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने आये नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिश्रम के परिणाम और तपस्या की ताकत को 'घिसे पिटे पॉलिटिकल प्राणी' ना कमजोर कर सकते हैं और ना ही परास्त। नकवी ने विपक्षी दलों की एकजुटता पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, विपक्ष में दो दर्जन प्रधानमंत्री के उम्मीदवारों की प्रतीक्षा सूची अभी से बन गई है। इसे कहते हैं बिना वेकेंसी का विलाप। उन्होंने कहा कि तमाम तरह की राजनीतिक असहिष्णुता और मनगढ़ंत आरोपों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'समावेशी विकास, सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण' के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के लिए देश की सुरक्षा और सम्मान ही राष्ट्रनीति है और हर जरूरतमंद का कल्याण राष्ट्रधर्म है।

बिहार में भी चाचा भतीजे के राजनैतिक वनवास की तैयारी शुरू : शर्मा

मथुरा। पड़ोसी प्रांत बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने दावा किया कि बिहार में भी चाचा (नीतिश कुमार) और भतीजे (तेज प्रताप) के राजनैतिक वनवास की तैयारी शुरू हो गई है। डा शर्मा ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा जो हश्र यहां चाचा (शिवपाल) और भतीजे (अखिलेश) का हुआ। जो हश्र बुआ (मायावती) भतीजे (अखिलेश) का हुआ वही हश्र बिहार में चाचा भतीजे का होने वाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर है। बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जहां पहले भाजपा की सरकारें थीं वहां पर पार्टी अपने बलबूते पर सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच चुकी है। विपक्ष में इसी कारण घबराहट है। डा शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालना चाह रही है। वह एक डूबता हुआ जहाज है जबकि नीतिश कुमार अपने राजनैतिक वनवास की तैयारी के अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। लोकसभा चुनाव में उनको राजनैतिक वनवास मिल जाएगा। वे बार बार पलटी मारते हैं यह उनकी दोहरी मानसिकता को दिखाता है। बिहार का नौजवान विकास चाहता है तथा जाति, धर्म और सम्प्रदायवाद की संकीर्णता से उबरना चाहता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा भारत श्री मोदी को राष्ट्रीयता के प्रतिमान के रूप में देख रहा है। मोदी को देखकर लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण हो जाता है।

झांसी : स्वतंत्रता सेनानी के घर पहुंचकर आला अधिकारियों ने किया सम्मान

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी में आला अधिकारियों ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 94 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी सत्यदेव तिवारी के आवास पर पहुंच कर उन्हें शनिवार को सम्मनित किया। आज जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवहरि मीणा, मुख्य विकास अधिकारी शैलेश कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे संजय कुमार पांडे और नगर मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव ने जनपद झांसी के 94 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सत्यदेव तिवारी जी का उनके निज निवास पर पहुंच कर उन्हें शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा तत्काल इलाज की व्यवस्था के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने युवा पीढ़ी को ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ने आजादी के लिए किये जा रहे संघर्ष के दौरान अपने संस्मरण सुनाते हुए बताया कि जब उनकी उम्र केवल 12 वर्ष की थी तब उन्होंने ब्रिटिश थानेदार को थप्पड़ मार दिया था।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सीएम योगी को मिली बम से उड़ाने की धमकी

पुलिस और खूफिया एंजेसियां अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक लखनऊ के आलमबाग इलाके में रहने वाले देवेंद्र तिवारी के घर एक बैग में चिट्ठी मिली है जिसमें देवेंद्र तिवारी और सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। देवेंद्र तिवारी वही शख्स है जिसने अवैध बूचड़खाने को बंद करने के लिए कोर्ट में जनहित याचिका दायर की हुई है। देंवेंद्र तिवारी के घर मिली धमकी भरी चिट्ठी में लिखा है-बाकियों की तो गर्दन काटी है, तुम दोनों को बम से उड़ाएंगे। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी सीएम योगी को जान से मारने की धमकी मिली थी। ये धमकी कहीं और नहीं बल्कि पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 112 के व्हाट्सएप पर भेजी गई थी। धमकी भेजने वाले ने अपना नाम शाहिद बताते हुए लिखा था कि तीन दिन में सीएम योगी को उड़ा देंगे। कंट्रोल रूम यूपी-112 के ऑपरेशन कमांडर सुभाष कुमार ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। बाद में पुलिस ने ये मैसेज सुरक्षा एजेंसियों के साथ भी साझा किया था। पुलिस इस मामले की छानबीन में जुटी ही थी कि सीएम योगी को धमकी देते हुए एक और लेटर बरामद हुआ है।

इससे पहले आज फिरोजाबाद में किसी ने आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को लेकर लगाए गए होर्डिंग्स में से सीएम योगी का चेहरा काट दिया। इस मामले में भी जमकर विवाद हुआ। पुलिस अधिकारी इस मामले की भी जांच की बात कर रहे हैं वहीं कुछ लोगों की इस मामले में गिरफ्तारी भी हुई है।

राखी बांधने जा रही दो बहनों की सड़क हादसों में मौत

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में अपने भाइयों को राखी बांधने जा रही दो बहनों की सड़क हादसों में मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि भाई को राखी बांधने मायके जा रही महिला मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। पति ने उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

उसकी पहचान जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के खजुरिया निवासी सीमा के रूप में हुयी है। वह गांव के प्राथमिक विद्यालय में भोजन बनाने का काम करती थीं। शुक्रवार को वह पति कमलेश के साथ अपने भाई को राखी बांधने पडरौना कोतवाली क्षेत्र के सपहा गिदहा जा रही थीं।

पति-पत्नी पडरौना कोतवाली क्षेत्र के बंधू छपरा गांव के पास पहुंचे। तभी उनकी बाइक बालू में फिसलकर अनियंत्रित हो गई। सड़क पर बाइक सहित गिरने से रसोइया के सिर में चोट लग गई। आसपास के लोगों की मदद से पति कमलेश पत्नी को जिला अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान महिला मौत हो गई।

यूपी के 10 पुलिसकर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री पदक

एजेंसी

लखनऊ। आपराधिक मामलों की जांच के कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देश भर के 151 पुलिसकर्मियों को वर्ष 2022 के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक के लिए चुना गया है। इसमें यूपी के 10 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। 'मेडल फार एक्सीलेंस इन इन्वेस्टीगेशन' के लिए चुने गए प्रदेश के पुलिसकर्मियों में डीएसपी संसार सिंह राठी व सविरत्न गौतम, इंस्पेक्टर राम गोविंद मिश्रा, भैया शिव प्रसाद सिंह, संतोष कुमार शर्मा, शैलेष कुमार राय व योगेन्द्र कुमार, थानाध्यक्ष कमलेश सिंह तथा सब इंस्पेक्टर नीरज कुमार पाल व सूरज कुमार तिवारी शामिल हैं। अपराध की जांच में उच्च पेशेवर मानकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में इस पुरस्कार की शुरुआत की गई थी। पुरस्कार पाने वालों में राज्यों की पुलिस के अलावा विभिन्न जांच एजेंसियों के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने पुलिस सेवा में पेशेवर रुख तथा उत्कृष्टता को बढ़ावा देने एवं ऐसे सुरक्षा बलों को जिन्होंने तनावपूर्ण स्थितियों तथा दुर्गम क्षेत्रों में अच्छा काम किया है, को सम्मानित करने के लिए पदक आरंभ किए हैं।

भाई को राखी बांधने जा रही महिला का सड़क पर प्रसव

लखीमपुर खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी में अजीब घटना देखने को मिली। एक महिला ने सड़क किनारे एक बच्चे को जन्म दिया। हालांकि अभी लोगों में इतनी इंसानियत है कि महिला का दर्द देखकर राहगीरों ने भी उसकी मदद की। महिला और उसका बच्चा स्वस्थ हैं। लोग इस घटना को सुनकर हैरान हैं। दरअसल, रक्षाबंधन त्योहार में राखी लेकर मायके जा रही एक महिला ने सड़क किनारे बच्चे को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों पूर्ण रूप से स्वस्थ्य बताएं जा रहे हैं। मामला गांव गुलरीपुरवा का है। मितौली क्षेत्र के गहियापुरवा निवासी संदीप अपनी पत्नी रिंकी के साथ ससुराल रसुलपुर से गांव जा रहे थे।

फिरोजाबाद में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के होर्डिंग्स से काटी सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो

फिरोजाबाद। शनिवार की सुबह फिरोजाबाद में किसी ने आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के लिए लगाए गए पोस्टर और होर्डिंग्स पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें खराब कर दी गईं। आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत शहर में कई जगह होर्डिंग्स लगाई गई थी। इस घटना को लेकर बीजेपी नेताओं में आक्रोश फैल गया।

इस दौरान कई नेता मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। विधायक मनीष असिजा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रहा जब तक कि

होर्डिंग लगाने वाले नगर निगम के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच गए।

इस मामले को लेकर जिला मजिस्ट्रेट फिरोजाबाद रवि रंजन ने कहा प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। आपराधिक कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ गंभीर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएम फिरोजाबाद ने कहा गांधी पार्क चौराहे पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम को लेकर लगाए गए होर्डिंग क्षतिग्रस्त पाए जाने के बाद फिरोजाबाद पुलिस स्टेशन में दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज पर नजर रखी जा रही है और इस आपराधिक कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच राज्य में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इसकी शुरूआत आज से हो चुकी है।

मुख्तार की पत्नी आफशां अंसारी पर पुलिस ने कंसा शिकंजा, 6 करोड़ से अधिक की जमीन कुर्क

गाजीपुर। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यूपी पुलिस ने उसकी पत्नी आफशां अंसारी के नाम दर्ज दो जमीनों को कुर्क कर दिया है। प्रशासन ने इसे अवैध कमाई और बेनामी संपत्ति मानते हुए कुर्क किया है।

इन संपत्तियों को मुख्तार की अवैध अर्जित कमाई और बेनामी संपत्ति मानते हुए कुर्क किया गया है। एसपी रोहन पी बोत्रे की मौजूदगी में पुलिस ने मुनादी कराई और कुर्की का नोटिस चस्पा किया।

एसपी सिटी गोपीनाथ सोनी के अनुसार आफ्शां अंसारी के नाम पर शहर के मोहल्ला रजदेपुर देहाती में गाटा संख्या 113 में रकबा 0.394 हेक्टेयर भूमि है। इसके अलावा फत्तेउल्लाहपुर में गाटा संख्या 1186 रकबा 1.507 हेक्टेयर भूमि है। इन संपत्तियों को कुल

मिलाकर 6.30 करोड़ रुपए में कुर्क किया गया। मुनादी के बाद संपत्तियों पर कोर्ट का नोटिस चस्पा करा दिया गया है।

एसपी सिटी गोपीनाथ सोनी ने बताया कि गाजीपुर मुहम्मदाबाद कस्बा के युसुफपुर निवासी पूर्व विधायक मुख्तार की पत्नी आफशां अंसारी पर गाजीपुर और मऊ पुलिस ने गैंगस्टर कायम किया है। गाजीपुर सदर समेत मुहम्मदाबाद, नंदगंज में उनके खिलाफ केस दर्ज हैं। कोर्ट की ओर से आफ्शां के नाम पर गैंगस्टर में एनबीडब्ल्यू जारी हो चुका है और गिरफ्तारी का आदेश भी पुलिस को मिला है।

अब गैंगस्टर समेत अन्य मुकदमों में हाजिर नहीं होने के चलते पुलिस मुख्तार की पत्नी की कई संपत्तियों की कुर्की कर रही है।

इस दौरान एसपी सिटी गोपीनाथ सोनी, सीओ सिटी गौरव कुमार, एसडीएम सदर प्रतिभा मिश्रा समेत पुलिस बल, प्रशासन और राजस्व टीम मौजूद रही।

फर्रूखाबाद में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आये संविदाकर्मी की मौत

फर्रूखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रूखाबाद जिले के जहानगंज क्षेत्र में शनिवार को हाई टेंशन लाइन की चपेट में आये संविदा लाइनमैन के सहयोगी युवक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ग्राम मूसा खिरिया, राम जानकी मंदिर सड़क के समीप में हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर गिर गया था जिसकी सूचना मिलने पर संविदा लाइनमैन लालू अपने सहयोगी ग्राम ककरैय्या निवासी सुबोध (24) के साथ पहुंचा। जमीन पर पड़े तार को सुबोध ने उठाया वैसे करंट प्रवाहित होने से युवक की चिपक कर मौके पर ही मौत हो गई। एसडीओ रामप्रवेश ने बताया कि हाईटेंशन लाइन तार के टूटते ही फीडर ब्रेकडाउन था तो तार ठीक करते समय अचानक विद्युत करंट कैसे आया कि जांच की जा रही है।

खेतों में गए युवक को बाघ ने उतारा मौत के घाट, अधखाया शव मिला

लखीमपुर। यूपी के लखीमपुर में एक बार फिर बाघ की दहशत बढ़ गई है। हालांकि इस बार अलग इलाके में दहशत फैली है। दरअसल, शनिवार सुबह खेतों की ओर गए युवक को बाघ ने मार डाला। गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब युवक का अधखाया शव बरामद किया गया। लखीमपुर के एक नए इलाके की तरफ बढ़े बाघ के हमले से गांव वाले दहशत में हैं। मामला लखीमपुर के दक्षिण खीरी के गोला वन रेंज का है। संभावना है कि बाघ लखीमपुर के जंगलों से खेतों की तरफ आ गया है।

जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह जंगल और खेतों की बॉर्डर पर एक युवक का शव मिला। बाघ के हमले के बाद युवक का अधखाया शव लखीमपुर के दक्षिण खीरी के अम्बारा जंगल के किनारे शनिवार सुबह मिला। युवक के अधखाये शव को देखकर गांव वाले हैरान रह गए। पहचान करने के बाद जानकारी हुई की शुक्रवार शाम को युवक खेतों की तरफ गया था और शाम से ही लापता हो गया था। युवक की शाम से खोज की जा रही थी जो रात होने पर अंधेरे के कारण रोक दी गई थी। वहीं खोज सुबह भी जारी रखी गई और इसी दौरान उसका अधखाया शव बरामद किया गया।

जानकारी होते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव वालों की भीड़ खेतों के पास जमा हो गई। लोग दहशत में भी थे लेकिन इस घटना की जानकारी के लिए इकट्ठा भी हुए। वहीं बन विभाग का कहना है कि इस इलाके में पांच साल में पहली बार बाघ के हमले की घटना हुई है। बाघ इस नए इलाके की तरफ जंगलों से बाहर पांच साल बाद शिकार करने निकला।

उप्र की जेलों में बंद 70 हजार कैदियों ने रक्षाबंधन पर की परिजनों से मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों को रक्षाबंधन के पर्व पर परिजनों से मुलाकात की सुविधा का लाभ 70 हजार से अधिक कैदियों ने उठा कर अपनी बहनों से राखी बंधवाई।

गृह विभाग द्वारा शनिवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक शासन के निर्देशों के क्रम में प्रदेश की सभी जेलों में की गई समुचित व्यवस्था के फलस्वरूप विगत 12 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन प्रदेश के कारागारों में आने वाले मुलाकातियों की संख्या 70 हजार से अधिक रही। इनमें 1332 पुरूष, 52953 महिलाएं एवं 18176 बच्चे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं कारागार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर सिंह के निर्देशानुसार रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की जेलों में कैदियों की परिजनों से मुलाकात की विशेष व्यवस्था की गई थी। ताकि बंदियो को अपने भाई-बहनों से राखी बंधवानें में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अतीत के काले पन्नो को छिपाने का प्रयास कर रही है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता के स्वार्थ में राष्ट्रध्वज को आगे रखकर भाजपा-आरएसएस अपने अतीत के काले पृष्ठों को छुपाने का प्रयास करने में लगी है।

श्री यादव ने शनिवार को कहा कि इसी मानसिकता का असर है कि भाजपा स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की पवित्रता को भी नष्ट करने पर तुली है। इस तरह की रिपोर्टें आ रही हैं कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री की जा रही है। यह ध्वज जहां करोड़ों भारतीयों के लिए आन-

बान शान का प्रतीक है वहीं भाजपाइयों के लिए यह बेचने का सामान है। प्रयागराज में भाजपा ने अपने कार्यालय में राष्ट्रध्वज क्यों नहीं फहराया। भाजपाई हर बात पर दुकान लगाना बंद करें। राष्ट्रध्वज के गौरव के साथ खिलवाड़ शर्मनाक और निंदनीय है।

उन्होने कहा कि समाजवादी सरकार में लखनऊ में 207 फिट ऊंचा राष्ट्रध्वज ऐतिहासिक जनेश्वर मिश्र पार्क में फहराया गया था। समाजवादी सरकार में ही इस 400 एकड़ में फैले एशिया के सबसे विशाल पार्क का निर्माण हुआ था। जब तक समाजवादी सरकार रही हर रोज शाम प्रोटोकाल के तहत आकाश में लहराते इस तिरंगे को पुलिस सलामी देती रही लेकिन सत्ता परिवर्तन होते ही पुलिस द्वारा सलामी देना बंद हो गया है। भाजपा राज में राष्ट्रध्वज को सलामी देने की परम्परा को बंद क्यों किया गया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का देशप्रेम कितना सत्य से परे है इसी से साबित है कि भाजपा नेता अमृत महोत्सव के तिरंगा अभियान के दौर में भी कहीं तिरंगे का रंग बदल रहे हैं, कहीं उल्टा पकड़े फोटो खिंचवाते है।

चित्रकूट में भाजपा जिलाध्यक्ष महोदय तो पैरो के पास राष्ट्रध्वज रखे दिखे है। लखीमपुर में भाजपा विधायक और इटावा में भाजपा नेता तिरंगे को ढंग से पकड़ना भी नहीं जानते हैं। राष्ट्रध्वज के साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार अक्षम्य है।

देश की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण रखना हम सभी का दायित्व : भानु प्रताप

उरई। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और माध्यम उद्यम राज्यमंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने उत्तर प्रदेश के जालौन में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश को आजाद कराने के लिए हमारे पूर्वजों ने बड़ी कुरबानियां दी हैं और अब देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखना हम सभी का दायित्व है।

केंद्रीय मंत्री ने यहां राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यकम का शुभारंभ आज दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान कलाकारों और छात्र व छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत और अन्य आर्कषक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम अवधि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन कराया जा रहा है। आजादी के 75 वर्ष के

अवसर पर 11 से 17 अगस्त 2022 तक स्वतंत्रता सप्ताह एवं 13 से 15 अगस्त 2022 तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम का पूरे प्रदेश में भव्य आयोजन कराया जा रहा है। आज सांस्कृतिक कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक के अंतर्गत सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। भारत की आजादी हमारे पूर्वजों ,जो स्वतंत्रता के लिए शहीद हो गए हैं उनकी शहादत का परिणाम है। उन्होंने अपनी जान की परवाह न कर अपने लहू से भारत की बगिया को संचित करने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि देश की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए हम सभी का दायित्व है कि उनके आदर्शों व मूल्यों पर चलकर प्रदेश व देश की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान देश के प्रति मान सम्मान व स्वाभिमान पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय व माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालय के छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। इसके अतिरिक्त लखनऊ से अभिषेक मिश्रा एंड पार्टी द्वारा कारगिल थीम पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया ।

एसएसपी ने एक साथ 41 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर किये

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभाकर चौधरी ने जिले के विभिन्न थानों में तैनात 41 पुलिसकर्मियों को एक साथ लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस सूत्रों से शुक्रवार को मिली जानकारी के मुताबिक एसएसपी के इस कदम से जिले के पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। इसके बाद से ही पुलिसकर्मी मैनपुरी, फिरोजाबाद और मथुरा सहित अन्य पड़ोसी जिलों में ट्रांसफर कराने की जुगत में लग गए हैं। एसएसपी ने सभी को विशेष प्रशिक्षण हेतु अनिश्चितकाल के लिए पुलिस लाइन में भेजने का आदेश दिया है। उनके प्रशिक्षण के लिए सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक का टाइम टेबल भी बनाया है। उन्हें इसी टाइम टेबल के आधार पर पुलिस लाइन में ड्यूटी करनी होगी। पिछले कई दिनों से पुलिसकर्मियों की अवैध वसूली की शिकायतें मिलने पर एसएसपी, इस काम में लगे पुलिसकर्मियों की सूची बनवा रहे थे।

महोबा में आज की गदर की यादें ताजा कराती है गोरों की समाधि

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में मौजूद 'गोरों की समाधि' 1857 में प्रथम स्वाधीनता संग्राम के गदर की गवाह है जो 115 साल बाद भी उस विद्रोह के एक गुमनाम चरवाहे क्रांतिकारी के अदम्य साहस एवं पराक्रम की यादें ताजा करती है। 'गोरों की समाधि' एक ऐसा ऐतिहासिक स्थल है, जहां एक चरवाहे के सीने में धधकी विद्रोह की ज्वाला ने पांच गोरे अफसरों को झुलसा कर पल भर में मौत की नींद सुला दिया था। गोरों की समाधि पर सैलानी आते जरूर हैं लेकिन याद करते हैं उस चरवाहे की वीरता को जिसका नाम तक इतिहास में दर्ज नहीं है। इस स्थल पर आकर सैलानी, सिर्फ उस गुमनाम शूरवीर चरवाहे के पराक्रम भरे मंजर को याद करते हैं जिसके दम पर उसने अकेले ही पांच अंग्रेज अफसरों मृत देह तक को पहाड़ से नीचे उतराने लायक नहीं छोड़ा था। उस घटनाक्रम को जेहन में महसूस कर बुंदेले वीर चरवाहे की वीरता को यहां आने वाले नमन करते हैं। क्रांतिवीरों पंडित परमानंद एवं दीवान शत्रुघ्न सिंह आदि की कर्मस्थली रही बुंदेलखंड के कण कण ने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में इंकलाब के नारे को बुलंद किया था। तभी तो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की ज्वाला जब भड़की तो उसमें यहां पर भी हर किसी ने अपना योगदान दिया। पूरे विंध्य क्षेत्र में स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी उन कहानियों और स्थलों की भरमार है। इधर ऐसा ही एक स्थान महोबा नगर के दक्षिण पश्चिम छोर पर स्थित गोरखगिरी पहाड़ पर करीब ढाई हजार फुट की ऊंचाई पर है जिसे 'गोरों की समाधि' कहा जाता है। कहते हैं कि 1857 की गदर में अंग्रेज अफसरों को यहां क्रांतिकारियों से गहरी चोट मिली थी। महोबा के इतिहास पर काम कर रहे वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रवक्ता डा एलसी अनुरागी ने बताया कि गदर के दौरान अंग्रेज अफसरों को सूचना मिली थी कि क्रांतिकारियों का एक जत्था महोबा में गोरखगिरी पहाड़ में छिपा है।

शार्ट न्यूज

एसबीआई ने हर घर तिरंगा अभियान की जागरुकता के लिए साइकिल रैली निकाली

मुंबई। स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के महत्वपूर्ण अवसर पर देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने हर घर तिरंगा-आजादी का अमृत महोत्सव के तहत एक साइकिल रैली का आयोजन किया। रैली को बैंक के अध्यक्ष दिनेश खारा ने झंडी दिखाकर रवाना किया जिसमें एसबीआई के 200 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। एसबीआई ने शनिवार को एक बयान में कहा कि पांच किमी की रैली में नरीमन पॉइंट स्थित एसबीआई कॉरपोरेट सेंटर से मरीन ड्राइव और वापस जाने का मार्ग शामिल था। श्री खारा ने कहा, यह हमारे लिए बहुत गर्व और खुशी का क्षण है। बैंक ने आजादी के बाद से हमारे देश के विकास को करीब से देखा है और इसका उद्देश्य हमारे देश के गौरवशाली इतिहास, वीर उपलब्धियों और समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाना है। आजादी का अमृत महोत्सव के माध्यम से भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चल रहे राष्ट्रव्यापी समारोह का हिस्सा बनना हमारे लिए सम्मान की बात है।

पेनियरबाय ने शुरु की शून्य निवेश योजना

मुंबई। देश के बिना ब्रांच बैंकिंग और डिजिटल नेटवर्क वाली कंपनी 'पेनियरबाय' ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिला उद्यमियों के लिए 20,000 से अधिक पिन कोड क्षेत्रों में शून्य निवेश योजना (जीरो इन्वेस्टमेंट प्लान) शुरू की है। यह योजना कंपनी के स्वतंत्रता दिवस कैम्पेन प्रगति महोत्सव का विस्तार है जिसे खुदरा साझीदारों के योगदान के लिए मनाया जा रहा है। वित्तीय समावेशन में सभी के लिए राष्ट्रीय दृष्टिकोण को तेज करने के अलावा इस पहल का उद्देश्य व्यवसाय खाता खोलने के शुल्क को माफ करते हुए देश की ग्रामीण महिलाओं के बीच वित्तीय स्वतंत्रता का निर्माण करना है। इसके साथ ही राष्ट्र निर्माण आंदोलन में शामिल होने के लिए महिलाओं को प्रेरित भी करना है। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 तक 10 लाख से अधिक महिला उद्यमियों को अपने प्लेटफॉर्म पर लाने का लक्ष्य है।

बायोकॉन समूह ने बांटे 30,000 राष्ट्रीय ध्वज

नयी दिल्ली। बायोकॉन फाउंडेशन ने हर घर तिरंगा अभियान में 30,000 से अधिक राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए हैं। कंपनी ने ये झंडे बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक सिटी और उसके आसपास के इलाके में बांटे हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस पहल के माध्यम से बायोकॉन लिमिटेड, बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड और सिनजीन इंटरनेशनल लिमिटेड सहित कंपनियों के समूह देश की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष पर %आजादी का अमृत महोत्सव% में भाग ले रहे हैं। बायोकॉन फाउंडेशन औषधि क्षेत्र के बायोकॉन समूह की इकाई है और कंपनी की ओर से सामाजिक कार्य करती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने बावजूद देश में शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता होने से आम आदमी के लिए राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 98.15 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन, अनाज और मीठे के बाजार में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : इस दौरान पाम ऑयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान गुड़ और चीनी के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव बना रहा। इस दौरान उड़द दाल, अरहर दाल , चना, चना दाल, मसूर दाल और मूंग दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8850-8950 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3850-3950 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 16996 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19413 रुपये, सोया रिफाइंड 15604 रुपये, पाम ऑयल 13553 रुपये और वनस्पति तेल 14798 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

अनिल अंबानी की कंपनी को फिर हुआ बड़ा घाटा

नई दिल्ली। कर्ज में डूबे रिलायंस ग्रुप के मुखिया अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर (आरइंफ्रा) को लेकर एक बुरी खबर है। दरअसल, चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में आरइंफ्रा को 66.11 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। हालांकि यह पिछले वर्ष की पहली तिमाही में हुए 95.15 करोड़ रुपये के शुद्ध घाटे से कम है। कंपनी ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 6,349.34 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4,623.17 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 6,714.42 करोड़ रुपये हो गया है जो पिछले वर्ष 5,208.75 करोड़ रुपये था। मुंबई मेट्रो से जुड़ी है कंपनी- आरइंफ्रा ने कहा कि मुंबई मेट्रो में यात्रियों की साप्ताहिक संख्या पिछले वर्ष की चौथी तिमाही के 240,000 से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 310,000 हो गई। बता दें कि आरइंफ्रा संयुक्त उपक्रम के जरिये मुंबई में मेट्रो रेल परियोजना समेत कई अन्य परियोजनाओं के निर्माण, परिचालन से जुड़ी हुई है। बीते शुक्रवार को आरइंफ्रा का शेयर भाव 115.10 रुपये के स्तर पर ठहरा था। यह एक दिन पहले के मुकाबले 0.39त्न की गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। कंपनी का मार्केट कैपिटल 3 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है।

पूर्व बैंकर अंशु जैन का निधन, जर्मनी के सबसे बड़े बैंक की संभाली थी कमान

नई दिल्ली। जर्मनी के सबसे बड़े बैंक डॉयचे बैंक के पूर्व को-सीईओ अंशु जैन का निधन हो गया है। वह करीब 5 साल से कैंसर से जूझ रहे थे। भारतीय मूल के अंशु जैन ने जून 2012 में डॉयचे बैंक में को-सीईओ का पदभार संभाला था। हालांकि, 2015 में कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देकर हर किसी को चौंका दिया था। आपको बता दें कि अंशु जैन का कार्यकाल 2017 में पूरा हो रहा था। इसके कुछ साल बाद अंशु जैन के कैंसर बीमारी के बारे में पता चला। जैन के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। अंशु मूल रूप से राजस्थान के जयपुर के रहने वाले थे और उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की पढ़ाई की थी। बतौर को-सीईओ नियुक्त होने के बाद अंशु जैन के कई ऐसे फैसले थे, जिस वजह से बैंक तरक्की की राह पर दौड़ पड़ा। इस दौरान जर्मन ऋणदाता को रिकॉर्ड मुनाफा हुआ तो वहीं बैंक को बॉन्ड ट्रेडिंग और निवेश बैंकिंग पावरहाउस में बदलने में मदद मिली।

हमारी नीति है योजना का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाने की: सीतारमण

एजेंसी

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि देश के हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं मिलनी ही चाहिए और इसके लिए उसे किसी का एहसानमंद होने की जरूरत नहीं है। सीतारमण ने कहा कि वर्तमान सरकार का प्रयास है कि योजनाओं का लाभ एक-एक व्यक्ति तक पहुंचे और कोई जरूरतमंद उससे वंचित न रह जाए।

वित्त मंत्री कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी के आर्थिक प्रकोष्ठ के मासिक विश्लेषण के 100वें संस्करण का बेंगलुरु में विमोचन कर रही थी। उन्होंने कहा, हर भारतीय का अधिकार है कि उसे बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हों और इसके लिए किसी का कृतज्ञ होने की जरूरत ना पड़े।

उन्होंने कहा, हमारी सोच योजनाओं का लाभ एक-एक जरुरतमंद तक पहुंचाकर लोगों को अधिकार संपन्न करना है न कि जनता को केवल लाभ का पात्र बनाकर उसके इंतजार के लिए छोड़ना है।

वित्तमंत्री ने कहा,आप कोई योजना शुरू करते हो। वह योजना कुछ लोगों तक पहुंचती है, लेकिन उससे बहुत ज्यादा लोग हैं उसके पात्र हैं। क्या आप उन सब तक पहुंच पा रहे हैं। यदि आप सभी पात्र लोगों तक योजना को पहुंचाने में सफल हैं तो आप पूर्ण संतुष्टि की स्थिति में पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में देश में बहुत सी सरकारें बनी जिन्होंने गरीबी हटाने, लोगों की जेब में आमदनी पहुंचाने की दावें करती रहीं। इसके लिए बीस सूत्रीय कार्यक्रम चलाए गए। गरीबी दूर करने, लोगों को पेयजल और मकान जैसी बुनियादी सुविधाएं सुलभ कराने के प्रयास होते रहे। ये योजनाएं 75 साल से चल रही थी।

श्रीमती सीतारमण ने कहा, वर्ष 2014 से अब तक और उससे पहले स्थिति में फर्क क्या है। फर्क यह है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने हर मामले में लक्ष्य की संपूर्णता को प्राप्त किया है। इसका अर्थ है कि हर व्यक्ति जो लाभ का पात्र है उसे वह लाभ मिले। यह हम सुनिश्चित करते हैं। लोगों ने इसको महसूस किया है। पहले के आंकड़ों और अब के आंकड़ों में यह फर्क साफ दिखता है। मैं इस संबंध में आंकड़े पर आंकड़े दे सकती हूं।

उन्होंने कहा कि हर जरुरतमंद तक बुनियादी सुविधाओं के पहुंचने का अर्थ ही है सशक्तीकरण। इन सुविधाओं को प्राप्त कर लेने के बाद व्यक्ति और बेहतर जीवन की उम्मीद कर सकता है। उसके बाद उसे अपने परिवार के सदस्यों की अन्य जरुरतों के बारे में सोचने की शक्ति मिलती है और इस तरह से लोगों में सशक्तिकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि जब आप यह तय करने लगते हो कि किस-किस को घर मिलेगा, किसको पैसा मिलेगा तो आप उसको एकतरह से अपने एहसान तले रखना चाहते हैं और ऐसे में लोगों का सशक्तिकरण नहीं हो पाता है। लोगों को बुनियादी सुविधाओं की चिंता खत्म हो जाए तो वे अपने परिवार की आगे की जरुरतों की चिंता शुरू कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती सीतारमण ने पिछले दिनों कहा था कि कल्याणकारी योजनाओं और मुफ्त की रेवड़ी में फर्क है। गरीबों और जरुरतमंदों को शिक्षा और स्वास्थ्य उपलब्ध कराना सरकारों का लक्ष्य रहा है लेकिन विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने विभिन्न पार्टियों द्वारा चुनाव से पहले मुफ्त बिजली और सब्सिडी देने की घोषणा को लेकर चिंता व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री ने इससे पहले विभिन्न पार्टियों की मुफ्त की रेवड़ी की नीति की आलोचना की थी और कहा था कि यह सरकारों की वित्तीय स्वास्थ्य की दृष्टि से ठीक नहीं है। वित्तमंत्री सीतारमण ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे नेता मुफ्त की रेवड़ी की नीति के प्रति सावधान किए जाने वाली बात को गरीबों के खिलाफ बताकर इस मुद्दे पर बहस को विकृत रूप दे रहे हैं।

वर्ष 2035 तक शत-प्रतिशत दोपहिया विद्युत वाहनों के होने से बचेगा 50 करोड़ टन पेट्रोल

नयी दिल्ली। इंटरनेशनल काउंसिल फॉर क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आईसीसीटी) की शोधकर्ता शिखा रोकड़िया ने कहा कि देश में वर्ष 2035 तक नये बिकने वाले दो पहिया वाहन 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक हो जाएं तो वर्ष 2020-50 के बीच पेट्रोल की मांग में 50 करोड़ टन और इससे संबंधित लागत में 740 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी आ सकती है।

द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) और आईसीसीटी की गुरुवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि देश में पिछले कुछ वर्षों में विद्युत दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ने से इलेक्ट्रिक परिवहन के विस्तार के प्रयास में गति मिली है। नीति आयोग और टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल (टीआईएफएसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 तक देश में 100 प्रतिशत दोपहिया इलेक्ट्रिक हो जाने की संभावना है।

आईसीसीटी के भारत उत्सर्जन मॉडल के अनुमानों के मुताबिक वर्ष 2021 में सड़क परिवहन में हुई कुल पेट्रोल की खपत और कुल पेट्रोलियम की खपत में दोपहिया वाहनों का हिस्सा क्रमश: 70 प्रतिशत और 25 प्रतिशत था। देश में अगर पेट्रोल से चलने वाले दोपहिया वाहनों को ही बढ़ाते रहे तो वर्ष 2050 तक जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता दोगुने से भी अधिक हो जाएगी।

सुश्री रोकड़िया ने कहा, वर्ष 2035 तक नए बिकने वाले 100 प्रतिशत दोपहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक कर लिया जाए, तो भारत में 2020 से 2050 के बीच पेट्रोल की मांग में 500 मिलियन टन (एमटीओई) से ज्यादा और इससे संबंधित लागत में 740 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी आ सकती है।

प्रदूषण के लिहाज से देखें तो भारत ने पिछले दशक में बीएस-6 उत्सर्जन मानक अपनाने समेत नीतिगत मोर्चे पर कुछ अहम कदम उठाए हैं। इससे वायु प्रदूषण में होने वाली वृद्धि को काफी हद तक कम किया जा सका है।

टेरी के सीनियर विजिटिंग फेलो आई. वी. राव ने कहा, दोपहिया के मामले में तेजी से ईवी की ओर कदम बढ़ने से पेट्रोल की मांग पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे निश्चित तौर पर आयात पर निर्भरता एवं उत्सर्जन कम होगा। इस सेगमेंट में ज्यादा ईवी के होने से उपभोक्ता का खर्च कम होने के साथ-साथ पर्यावरण एवं वायु की गुणवत्ता पर भी उल्लेखनीय सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

कॉफी डे का घाटा हुआ पहले से कम, रेवेन्यू बढ़कर 210 करोड़ रुपये पहुंचा

नई दिल्ली। कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड का कंसॉलिडेटेड नेट लॉस घटकर जून 2022 तिमाही में 18 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले साल की समान अवधि में कॉफी डे एंटरप्राइजेज को 117.28 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ था। वहीं, अप्रैल-जून 2022 तिमाही में कॉफी डे एंटरप्राइजेज का रेवेन्यू बढ़कर 210.49 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो कि पिछले साल की जून तिमाही में 81.52 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड का एक्सपेंसेज 237.75 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी के एक्सपेंसेज 201.54 करोड़ रुपये थे। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि जून 2022 तिमाही में कॉफी और रिटेलेड बिजनेस का रेवेन्यू 189.63 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की पहली तिमाही में 67.16 करोड़ रुपये था। वहीं, जून 2022 तिमाही में कंपनी ने हॉस्पिटैलिटी से 14.32 करोड़ रुपये का रेवेन्यू जेनरेट किया है। कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपनी सब्सिडियरी कॉफी डे ग्लोबल लिमिटेड के रिजल्ट्स भी साझा किए हैं। कॉफी डे ग्लोबल, पॉप्युलर कॉफी चेन कैफे कॉफी डे ऑपरेट करती है। कॉफी डे ग्लोबल का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दोगुना से ज्यादा बढ़कर 189.63 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 67.16 करोड़ रुपये था।

कैश संकट के बीच खाली हो रहा पाकिस्तान का खजाना, 3 साल के निचले स्तर पर मुद्रा भंडार

नई दिल्ली। नकदी संकट का सामने कर रहे पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार बड़ी गिरावट के साथ 7.83 अरब डॉलर पर आ गया है। यह वर्ष 2019 के बाद पाकिस्तान में विदेशी मुद्रा का न्यूनतम स्तर है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार एक महीने के आयात खर्चों के लिए काफी है।

क्या कहते हैं आंकड़े

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश के विदेशी भंडार में साप्ताहिक आधार पर 55.5 करोड़ डॉलर यानी 6.6 फीसदी की गिरावट आई है। ऐसा इस महीने बढ़े हुए ऋण भुगतान और बाहरी वित्तपोषण की कमी के कारण हुआ है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार लगभग तीन वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिरकर 7.83 अरब डॉलर पर आ गया है। यह अक्टूबर 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। एक सप्ताह पहले पांच अगस्त को पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 8.385 अरब डॉलर था।

5 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 572.978 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, 29 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 2.4 अरब डॉलर बढ़ कर 573.875 अरब डॉलर पर आ गया था।

शक्कर में खरीदी, खाद्य तेलों में तेजी, दलहनो में गिरावट, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग रही। खाद्य तेल नरमी लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में लिवाली रही। दलहनो में गिरावट दर्ज की गई। दालों में भाव मंदे बोले गए। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3630 से 3670 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में कामकाज सामान्य रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में पूछपरख बताई गई। आज सोयाबीन रिफाइंड में तेजी दर्ज की गई। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बनी बताई गई।

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन गिरावट लिए रहे। आज तुअर सस्ती होकर बिकी ।दालों में मांग घटी बताई गई। आज चावल में पूछपरख रही।

किराना

शक्कर 3630 से 3670 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 180 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 6000 से 7800, पैकिंग में 8000 से 8200 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5800 से 6000, रायडा 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1660 से 1670, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1265 से 1270, सोयाबीन साल्वेंट 1235 से 1240, पाम तेल 1330 से 1335 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 5000 से 5050, मसूर 6675 से 6700, तुअर निमाड़ी 7000 से 7500, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7700 से 8000, तुअर (कर्नाटक) 7900 से 8100, मूंग 6500 से 6600, मूंग हल्की 5500 से 6000, उड़द 7400 से 7800, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

चना दाल 6200 से 6700, तुअर दाल सवा नंबर 10000 से 10100, तुअर दाल फूल 10200 से 10400, तुअर दाल बोल्ड 10700 से 11400, आयातित तुअर दाल 9800 से 9900, मसूर दाल 7700 से 8000, मूंग दाल 8600 से 8900, मूंग मोगर 8900 से 9200, उड़द दाल 9100 से 9400, उड़द मोगर 9800 से 10100 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000 से 6000, बासमती सैला 7500 से 9500, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2550 से 2700, हंसा सैला 2500 से 2675, हंसा सफेद 2450 से 2500, पोहा 4200 से 4600 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1520 से 1530, मैदा 1490 से 1500, आटा 1370 से 1380, चना बेसन 3375 से 3400 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

एसबीआई समेत 3 बैंकों ने दी ग्राहकों को खुशखबरी

नई दिल्ली। एसबीआई समेत देश के 3 दिग्गज बैंकों ने ग्राहकों की जमा रकम यानी फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज बढ़ा दिया है। ये बढ़ोतरी अलग-अलग टेन्योर के लिए की गई है। इसका फायदा उन ग्राहकों को मिलेगा जो बैंक में डिपॉजिट कर ब्याज के जरिए मुनाफा कमाते हैं। बहरहाल, आइए जानते हैं कि किस बैंक ने कितनी ब्याज दर बढ़ाई है।

एक्सिस बैंक

प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम की डिपॉजिट पर

ब्याज दरों में वृद्धि की है। बैंक ने डिपॉजिट की दरों में 0.45 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। बैंक ने 17 महीने से 18 महीने की अवधि के लिए एफडी की ब्याज दर को 45 बेसिस प्वाइंट बढ़ा दिया है। अब नई दरें 5.60 फीसदी से बढ़ाकर 6.05 फीसदी हो गई हैं। यह दरें 11 अगस्त से प्रभावी हैं। इसके पहले बैंक ने 16 जुलाई को एफडी पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी।

एसबीआई

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2 करोड़ रुपये से कम की डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। बैंक ने अलग-अलग अवधियों पर 15 बेसिस प्वाइंट ब्याज दरों में वृद्धि की है। अब सामान्य निवेशकों को एफडी पर 2.90त्न से 5.65त्न की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7 दिनों से 10 वर्ष की डिपॉजिट पर 3.40त्न से 6.45त्न तक है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 2 करोड़ रुपये से कम की जमा पर ब्याज दरों में वृद्धि की है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक बैंक अब 2.75 प्रतिशत से 5.55 प्रतिशत तक की ब्याज दरें ले रहा है। यह 7 दिनों से 555 दिनों तक की मैच्योरिटी वाली डिपॉजिट के लिए है।

सीमेंट कारोबार में बढ़ेगा अडानी समूह का वर्चस्व

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अडानी समूह को अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। अडानी समूह ने दोनों कंपनियों को मई में 10.5 अरब डॉलर (81,339 करोड़ रुपये) के लेन-देन में होल्सिम समूह से अधिग्रहित किया था। इस अधिग्रहण के बाद अडानी समूह, अल्ट्राटेक के बाद भारत में दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई। बता दें कि होल्सिम की अंबुजा सीमेंट्स में 63.19 फीसदी जबकि अंबुजा की एसीसी में 54.53 फीसदी हिस्सेदारी थी। कुछ समय पहले सीमेंट के दाम बढ़ाने को लेकर प्रतिस्पर्धा आयोग ने एसीसी पर 1,148 करोड़ रुपये और अंबुजा सीमेंट्स पर 1,164 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। दोनों कंपनियों ने अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष जुर्माने को चुनौती दी थी। फिलहाल यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है। इस पर होल्सिम ने कहा था कि बिक्री के बाद अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी पर सीसीआई द्वारा लगाए गए जुर्माने के लिए नया मालिक जिम्मेदार होगा ।सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन अंबुजा सीमेंट के शेयर की कीमत में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। शेयर का भाव 1.05त्न चढ़कर 384.30 रुपये के स्तर पर आ गया।

3 गुना से ज्यादा बढ़ा ओएनजीसी का मुनाफा

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन को जून 2022 तिमाही में 15,205.85 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन प्रॉफिट हुआ है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले ओएनजीसी का मुनाफा 251 पर्सेंट बढ़ा है। पिछले साल की अप्रैल-जून तिमाही में ओएनजीसी को 4,335 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। ओएनजीसी के शेयर शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में करीब 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 139.25 रुपये पर बंद हुए हैं। अप्रैल-जून 2022 तिमाही में ओएनजीसी का रेवेन्यू 83.8 पर्सेंट बढ़कर 42,321 करोड़ रुपये रहा है। सरकारी कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन जून 2022 तिमाही में बेहतर होकर 49.57 पर्सेंट रहा है। पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन 32.01 पर्सेंट था। अप्रैल-जून 2022 तिमाही में कंपनी का ऑफशोर रेवेन्यू बढ़कर 27,990 करोड़ रुपये हो गया, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 14,673 करोड़ रुपये था। जून 2022 तिमाही में कंपनी का ऑनशोर रेवेन्यू 14300 करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले साल की जून तिमाही में 8348 करोड़ रुपये था। जून 2022 तिमाही के दौरान कंपनी का अर्निंग पर शेयर सुधार के साथ 12.09 पैसे हो गया।

2 साल से कम में 1 लाख रुपये के बना दिए 58 लाख, इस शेयर ने दिया छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली। बिड़ला ग्रुप की एक कंपनी ने 2 साल से कम में ही छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह कंपनी एक्सप्रो इंडिया है। कंपनी के शेयर पिछले 2 साल में 14 रुपये से बढ़कर अब 800 रुपये का लेवल पहुंचने को हैं। एक्सप्रो इंडिया के शेयरों ने इस पीरियड में लोगों को 5000 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1113.33 रुपये है। वहीं, एक्सप्रो इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का लो-लेवल 166 रुपये है। एक्सप्रो इंडिया के शेयर 16 अक्टूबर 2020 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 13.67 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 12 अगस्त 2022 को एनएसई में 795 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने इस पीरियड में 5000 पर्सेंट से ज्यादा का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 16 अक्टूबर 2020 को एक्सप्रो इंडिया के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 58.15 लाख रुपये होता। दिग्गज इनवेस्टर आशीष कचौलिया ने एक्सप्रो इंडिया के शेयरों में बड़ा दांव लगाया है। अप्रैल-जून 2022 तिमाही के लेटेस्ट शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, आशीष कचौलिया के पास कंपनी के 4,59,366 शेयर या 3.89 पर्सेंट हिस्सेदारी है। पिछले 1 साल में एक्सप्रो इंडिया के शेयरों ने 340 पर्सेंट का रिटर्न लोगों को दिया है।

13 अगस्त 2021 को एनएसई में एक्सप्रो इंडिया के शेयर 180.57 रुपये के स्तर पर थे, जो कि 12 अगस्त 2022 को 795 रुपये पर बंद हुए हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को करीब 28 पर्सेंट का रिटर्न दिया है।

शार्ट न्यूज

22 रन की जीत के साथ अफगानिस्तान ने शृंखला जिन्दा रखी

बेल्फास्ट। अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह गुरबाज़ (53) और नजीबुल्लाह ज़ादरान (42) की पारियों की बदौलत आयरलैंड को तीसरे टी20 मैच में 22 रन से शिकस्त दी। अफगानिस्तान ने शुक्रवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 189 रन बनाये और दूसरी पारी में आयरलैंड को 167 रन पर रोक दिया। पांच मैचों की शृंखला के शुरुआती दो मैच हारने के बाद अफगानिस्तान बैकफुट पर थी, लेकिन सलामी बल्लेबाजों ने टीम को स्थिर शुरुआत दिलायी। हज़रतुल्लाह ज़ाज़ाई ने जहां 39 रन का योगदान दिया, वहीं गुरबाज़ ने 53 रन की अर्द्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद इब्राहिम ज़ादरान और नजीबुल्लाह ने विस्फोटक पारियों की बदौलत टीम को 189 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इब्राहीम ने 22 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाकर 36 रन बनाये, जबकि नजीबुल्लाह ने 18 गेंदों पर पांच छक्के लगाकर 42 रन की विस्फोटक पारी खेली। 190 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड ने सलामी बल्लेबाज पॉल स्टरलिंग (0), एंड्रयू बालबर्नी (1) और हैरी टेक्टर (3) के विकेट जल्दी गंवा दिये। लोरकान टकर (31) ने पारी को संभालने का प्रयास किया लेकिन अफगान गेंदबाजों ने नियमित रूप से विकेट निकाले। 85 रन पर सात आयरिश बल्लेबाजों के आउट होने के बाद जॉर्ज डॉकरेल और फियोन हैंड ने पारी को संभालते हुए 74 रन की साझेदारी की। डॉकरेल ने 37 गेंदों पर छह चौके और दो छक्के लगाकर 58 रन बनाये जबकि हैंड ने 18 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की बदौलत 36 रन बनाये, लेकिन यह उन्हें जीत दिलाने के लिये काफी नहीं था।

पदक ने हमें गौरव और खुशी से भर दिया

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा खिलाड़ी ज्योति ने शनिवार को कहा कि कांस्य पदक की जीत ने उन्हें गौरव और खुशी की भावना से भर दिया। गौरतलब है कि भारत ने कांस्य पदक मैच में गोल्डकोस्ट 2018 खेलों की विजेता न्यूज़ीलैंड को मात देकर 16 साल बाद राष्ट्रमंडल पदक जीता था। ज्योति ने ऐतिहासिक राष्ट्रमंडल अभियान के बारे में बात करते हुए कहा, राष्ट्रमंडल खेल मेरे लिये महत्वपूर्ण थे क्योंकि मैं पहली बार किसी ऐसे आयोजन में हिस्सा ले रही थी जहां तमाम तरह की प्रतियोगिताएं होती हैं। कांस्य पदक की जीत ने हमें गौरव और खुशी की भावना से सराबोर कर दिया और यह टीम से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों का असली इनाम है। पदक ने मेरे लिये इस अभियान को दोगुना खास बना दिया। भारतीय महिलाओं ने जहां ग्रुप स्टेज में घाना, वेल्स और कनाडा को हराया था, वहीं इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें हार मिली थी। सोनीपत से आने वाली ज्योति ने कहा, खेलों का मेरा पूरा अनुभव शानदार था। हमने ग्रुप स्टेज में घाना, वेल्स और इंग्लैंड के खिलाफ अपना मैच जीता मगर इंग्लैंड से हार गये। मुझे यह भी समझ आया कि जीत और हार हर टूर्नामेंट का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोगों को राष्ट्रमंडल खेल 2022 में हमसे पदक की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हम बाहरी लोगों के संदेह के बावजूद कांस्य पदक जीतने में कामयाब रहे। यह उपलब्धि इसलिये भी खास है क्योंकि हमने सबकी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया।

मोंटेनेग्रो में सशस्त्र हमलावर ने ग्यारह लोगों की हत्या की

बेलग्रेड। केटिनजे के मोंटेनिग्रिन शहर में शुक्रवार को एक सशस्त्र हमलावर ने गोलीबारी कर ग्यारह लोगों की हत्या कर दी और छह अन्य को घायल कर दिया। स्थानीय सार्वजनिक प्रसारक आरटीसीजी ने बताया कि केटिनजे के मोंटेनिग्रिन शहर में हुई इस गोलीबारी में ग्यारह लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। 34 वर्षीय हमलावर पुलिस के साथ गोलीबारी के दौरान मारा गया। सूत्रों के अनुसार गोलीबारी की घटना पारिवारिक विवाद के बाद हुई। इसके बाद हमलावर ने इस पहाड़ी शहर के लोगों और बच्चों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। रिपोर्ट के अनुसार एक व्यक्ति को सिर और छाती में गंभीर चोट के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक पुलिस अधिकारी भी शामिल है।

काबुल में विस्फोट से दो लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक मदरसे में जबरदस्त बम धमाके में एक जाने माने धर्मगुरू और उनके भाई की मौत हो गयी है जबकि तीन अन्य जख्मी हो गये हैं। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद ज़ादरान ने आज सोशल मीडिया पर बताया कि राजधानी काबुल में शश्दरक इलाके में स्थित एक मदरसे में गुरूवार को हुए जबरदस्त बम धमाके में धर्मगुरू शेख रहीमुल्लाह और उनके भाई की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य लोग जख्मी हो गये। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति अस्थायी प्रवास के लिए थाईलैंड में : थाई सरकार

बैंकॉक। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को पुष्टि की कि श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे अस्थायी प्रवास के लिए थाईलैंड पहुंचे हैं। सिंगापुर के आव्रजन अधिकारियों ने एक वेबसाइट पर कहा कि श्री राजपक्षे गुरुवार को सिंगापुर से रवाना हो गये। थाई सरकार ने एक बयान में कहा कि उनका प्रवास अस्थायी है और अभी तक कोई राजनीतिक शरण नहीं मांगी गई है। बयान में यह भी कहा गया है कि एक राजनयिक पासपोर्ट धारक के रूप में श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को 90 दिनों तक की अवधि के लिए बिना वीजा के थाईलैंड में रहने की अनुमति है। इससे पूर्व राष्ट्रपति ने मालदीव और सिंगापुर का दौरा किया था।

खो-खो का स्वदेशी खेल- 'माटी से मैट तक'

नयी दिल्ली। खो-खो का खेल व्यापक रूप से भारत के सबसे प्राचीन खेलों में से एक माना जाता है। सभी ने अपने जीवनकाल में खो-खो खेला है। अब पिछले पांच वर्षों के दौरान खो-खो के खेल में काफी बदलाव आया है। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि भारतीय खेल अब दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। मित्तल ने कहा, अल्टीमेट खो-खो के साथ, खेल नई ऊंचाइयों को छुएगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे अपने खेल को दुनिया में प्यार और पहचान मिले। अल्टीमेट खो-खो (यूकेके) का बहुप्रतीक्षित पहला संस्करण 14 अगस्त, 2022 से शुरू होने वाला है। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। खो-खो के खेल के लिए फ्रेंचाइजी-आधारित लीग पहली होगी और प्रतियोगिता में चेन्नई, मुंबई, गुजरात, ओडिशा, राजस्थान और तेलुगु की टीमें हिस्सा लेंगी। लीग चरण में कुल 34 मैच खेले जाएंगे, जिसमें प्रत्येक दिन दो मैच होंगे। नॉकआउट चरण में मैच प्लेऑफ प्रारूप में खेले जाएंगे जिसमें क्वालीफायर और एलिमिनेटर शामिल होंगे। यह प्रतियोगिता 14 अगस्त 2022 से 4 सितंबर 2022 तक पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में खेली जाएगी। खेल भारतीय समयानुसार शाम 07:00 बजे से रात 10:00 बजे तक खेले जाएंगे और सोनी लिव पर लाइव होंगे। मित्तल ने आगे बताया कि एशिया कप 12 अक्टूबर से दिल्ली में 12 एशियाई देशों के बीच खेला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में 20 काउंटियों के बीच एक विश्व कप खेला जाएगा (तारीख और स्थल को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है)। मिट्टी के मैदानों पर खेला जाने वाला खेल अब वैज्ञानिक रूप से विकसित मैट पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए किट और संबंधित उपकरणों के साथ आयोजित किया जा रहा है। सब-जूनियर, जूनियर में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करने के अलावा; राष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठ स्तर, नियमित खो-खो कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मित्तल ने कहा, भारत ने दक्षिण एशियाई खेलों में पुरुष और महिला दोनों खो-खो चैंपियनशिप में लगातार स्वर्ण पदक जीते हैं।

सेथु ने एशिया चैंपियनशिप में टॉप-5 फिनिश के साथ भारत को किया गौरवान्वित

स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो (जापान)। आईडेमित्सु होण्डा रेसिंग इंडिया ने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप 2022 (एआरआरसी) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देते हुए शनिवार की रेस में पांचवां स्थान हासिल किया।

भारत के राजीव सेथु ने टॉप-5 के समापन के साथ एआरआरसी की एपी250 क्लास में भारतीय राइडर द्वारा सर्वश्रेष्ठ फिनिश का रिकॉर्ड बनाया। ऐसा पहली बार हुआ है कि एशिया की सबसे मुश्किल रोड रेस चैम्पियनशिप में भारत की सोलो टीम ने टॉप-5 पॉज़िशन की हो।

शनिवार की एपी250 रेस सीज़न की सबसे मुश्किल रेसों में एक रही, जहां पहले ही लैप में पांच राइडर क्रैश कर गए। ग्रिड पर 14वें पॉजिशन से 12 लैप की पहली रेस शुरू करने के बाद राजीव जल्द ही पहले लैप के बाद छठे स्थान पर आ गए। यहां से उन्होंने अपनी पॉज़िशन लगातार बनाए रखी लेकिन रेस ट्रैक गीला होने के कारण पांचवे लैप में पिछड़ गए। रेस फिनिश करने के मजबूत इरादे के साथ राजीव ने अपने आप को चुनौती दी और तुरंत रेस में फिर से शामिल हो गए, आखिरकर उन्होंने पांचवें स्थान पर चैकर्ड लाईन पार की।

स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो इंटरनेशनल सर्किट में पहली बार हिस्सा लेने के दौरान भारतीय राइडर राजीव सेथु के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते टीम ने एपी250 क्लास की पहली रेस में टॉप-5 पोज़िशन हासिल की और 11 पॉइन्ट्स स्कोर किए।

राजीव के प्रदर्शन पर गर्व ज़ाहिर करते हुए होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया के ब्राण्ड एण्ड कम्युनिकेशन ऑपरेटिंग ऑफिसर प्रभु नागराज ने कहा, आज का दिन होण्डा रेसिंग इंडिया के लिए खुशी से भरा दिन है! हम अपने लक्ष्य टॉप-5 फिनिश के पहले चरण तक पहुंच गए हैं। ज़बरदस्त मुकाबले वाली रेस में, जहां ज़्यादातर राइडर गीले मौसम की वजह से क्रैश कर गए, हमारे राइडर राजीव सेथु ने अपना लोहा मनवाया और पांचवें स्थान पर रेस फिनिश करते हुए भारत का नाम रोशन किया। उनके शानदार प्रदर्शन के चलते टीम ने 11 पॉइन्ट्स स्कोर किए। उनके प्रदर्शन ने न सिर्फ रिकॉर्ड बनाया बल्कि पूरी टीम का उत्साह भी बढ़ाया।

उन्होंने कहा, इसी बीच, सेंथिल कुमार क्रैश होने की वजह से रेस पूरी नहीं कर सके।

यह निराशाजनक था, किंतु वे तेज़ी से सीख रहे हैं। मुझे विश्वास है कि वे और भी मजबूती और बुद्धिमानी के साथ वापसी करेंगे। मुझे भरोसा है कि कल की रेस में दोनों राइडर और भी रोमांचक प्रदर्शन देने वाले हैं।

गौरतलब है कि सेंथिल कुमार के लिए आज का दिन मुश्किल रहा, जो रेसट्रैक गीला होने की वजह से पहले ही लैप में क्रैश कर गए।

90 रन की विशाल जीत के साथ न्यूज़ीलैंड ने सीरीज़ कब्ज़ा की

जमैका। न्यूज़ीलैंड ने ग्लेन फ़िलिप्स (76) और डेरिल मिशेल (48) की तूफ़ानी पारियों की बदौलत वेस्ट इंडीज़ को दूसरे टी20 मैच में 90 रन से हराकर शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

ब्लैक कैप्स ने शनिवार को खेले गये मैच में वेस्ट इंडीज़ को 216 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में विंडीज़ 20 ओवर में 125 रन ही बना सकी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूज़ीलैंड को मार्टिन गप्टिल और डेवन कॉन्वे ने अच्छी शुरुआत दिलायी।

गप्टिल ने 11 गेंदों पर तीन चौके लगाकर 20 रन बनाये जबकि कॉन्वे ने 34 गेंदों पर दो चौके और तीन छक्के लगाकर 42 रन की पारी खेली। कप्तान केन विलियमसन (4) के जल्दी आउट होने के बाद फिलिप्स और मिशेल ने मोर्चा संभालते हुए कैरिबियाई गेंदबाजों को नाकों चने चबवाये। दोनों के बीच 34 गेंदों में 83 रन की साझेदारी हुई।

फिलिप्स ने जहां 41 गेंदों पर चार चौके और छह छक्के जड़कर 76 रन बनाये, वहीं मिशेल ने दो चौकों और चार छक्कों की बदौलत 20 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली। विंडीज़ की ओर से ओबेड मकॉय ने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिये।

216 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंडीज़ की बल्लेबाज़ी एक बार फिर निराशाजनक रही। मकॉय (23) और रोवमैन पॉवेल (21) के अलावा कोई भी बल्लेबाज़ 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। एक समय पर टीम न्यूज़ीलैंड के खिलाफ अपने न्यूनतम स्कोर (99) पर आउट होने की स्थिति में भी थी, लेकिन 10वें नंबर पर आये हेडेन वॉल्श और 11वें नंबर पर आये मकॉय ने 20वें ओवर तक खेलकर टीम को ऑल आउट होने से बचाया।

कीवी टीम की ओर से मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रेसवेल ने तीन-तीन विकेट लिये।

इस जीत के साथ ब्लैक कैप्स ने तीन मैचों की शृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। तीसरा और आखिरी टी20 रविवार, 14 अगस्त को खेला जाएगा जिसके बाद दोनों टीमें एकदिवसीय शृंखला की ओर रुख करेंगी।

पुनेरी पलटन को उनका पहला पीकेएल खिताब जिताने के लिये तैयार हूं : फ़ाज़िल अतरचली

कोलकाता। ईरान के दिग्गज कबड्डी खिलाड़ी फ़ज़ल सुल्तान अतरचली ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के नौंवे सीज़न के लिये पुनेरी पलटन में शामिल होने के बाद कहा है कि वह अपनी नयी टीम को पीकेएल का खिताब जिताने के लिये तैयार हैं। गौरतलब है कि पीकेएल की ताज़ा नीलामी में सुल्तान के साथ-साथ पवन कुमार सेहरावत और विकास कंडोला जैसे बड़े खिलाड़ी भी नयी टीमों में गये हैं। तीनों खिलाड़ियों को एक करोड़ से ज्यादा की कीमत में अनुबंधित किया गया है। सुल्तान ने पुनेरी पलटन में 1.38 करोड़ में शामिल होने के बाद कहा, मैं पुनेरी पलटन टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के साथ टीम बहुत अच्छी है। मैं शुरुआत करने और टीम को अपना पहला पीकेएल खिताब जीतने में मदद करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। इसी बीच, पुनेरी पलटन के कोच बीसी रमेश ने कहा कि फ्रेंचाइज़ी सुल्तान को शामिल करने के लिये उत्सुक थी क्योंकि वह टीम को पूरा करते हैं। उन्होंने कहा, हमारी टीम में मुख्य अंतर फजल अतरचली का है।

मोदी ने बर्मिंघम 2022 से लौटे खिलाड़ियों के साथ की बातचीत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रमंडल खेल 2022 से वापस लौटे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी।

मोदी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, बीते कुछ हफ्तों में देश ने खेल के मैदान में दो बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ-साथ देश ने पहली बार शतरंज ओलंपियाड का आयोजन किया है। हमने न सिर्फ आयोजन किया बल्कि शतरंज में अपनी श्रेष्ठ परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अच्छा प्रदर्शन भी किया है। मैं राष्ट्रमंडल खेलों के साथ-साथ ओलंपियाड में पदक जीतने वालों को बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा, जिन्होंने पदक जीता वे भी, और जो आगे पदक जीतने वाले हैं वे भी आज प्रशंसा के पात्र हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 का आयोजन इंग्लैंड के पश्चिमी मिडलैंड क्षेत्र के बर्मिंघम शहर में किया गया था। भारत और इंग्लैंड के समय में चार घंटे से ज्यादा का फर्क है, जिसकी वजह से आयोजन भारतीय समयानुसार देर रात तक चलता था।

मोदी ने कहा, आप सभी जब वहां मुकाबला कर रहे थे, हिन्दुस्तान में करोड़ों भारतीय 'रतजगा' कर रहे थे। देर रात तक आपके हर एक्शन पर देशवासियों की नज़रें थीं। कितने ही लोग बार-बार जाकर स्कोर चेक करते थे। खेलों के प्रति आकर्षण बढ़ाने में आप सब की भूमिका है और आप सभी बधाई के पात्र हैं

मोदी ने कहा, इस बार हमारे प्रदर्शन का इमानदार आंकलन सिर्फ पदकों की संख्या से करना सही नहीं है। हमारे कई खिलाड़ी कांटे की टक्कर देकर आये, जो पदक से कम नहीं है। जो 0.1 सेंटीमीटर, 0.1 सेकंड का फासला रह गया उसमें हम सुधार कर लेंगे। यह मेरा आप पर विश्वास है। भारतीय दल ने बर्मिंघम 2022 में अपने मजबूत क्षेत्रों में सफलता हासिल करने के साथ-साथ नये खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने जहां रजत एवं कांस्य पदक हासिल किया, वहीं लॉन बॉल्स में भी भारत ने एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीता।

मोदी ने कहा, हॉकी में जिस प्रकार हम अपनी विरासत को फिर हासिल कर रहे हैं, मैं दोनों टीमों की उसके लिये सराहना करता हूं। पिछली बार की तुलना में इस बार हमने चार नये खेलों में जीत का रास्ता बनाया है। लॉन बॉल्स से लेकर टेबल टेनिस तक हमने जीत हासिल की।

श्रीलंका ने भारत के विरोध को किया दरकिनार, चीनी जहाज को अपने पोर्ट पर दी रुकने की अनुमति

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के विरोध के बावजूद शनिवार को चीन के खुफिया जहाज को अपने हंबनटोटा पोर्ट पर रुकने की अनुमति दे दी है। शुरू में श्रीलंका ने चीन से अपने जहाज को उसके पोर्ट पर रुकने वाले प्लान को टालने की बात कही थी। भारत ने श्रीलंका के सामने इस पोत की मौजूदगी को लेकर चिंता जताई थी।

श्रीलंका के बंदरगाह मास्टर निर्मल पी सिल्वा ने कहा कि उन्हें 16 से 22 अगस्त तक हंबनटोटा में जहाज को बुलाने के लिए विदेश मंत्रालय की मंजूरी मिल गई है। सिल्वा ने एएफपी को बताया, आज मुझे राजनयिक मंजूरी मिली है। हम बंदरगाह पर रसद सुनिश्चित करने के लिए जहाज की ओर से नियुक्त स्थानीय एजेंट के साथ काम करेंगे।

गुरुवार को बंदरगाह पर पहुंचना था

चीन के बैलिस्टिक मिसाइल और सैटेलाइट निगरानी पोत युआन वांग 5 पहले के तय कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचना था और ईंधन भरने के लिए 17 अगस्त तक वहीं रुकना था। शुक्रवार को श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण (एसएलपीए) के बंदरगाह प्रमुख ने बताया कि चीनी पोत अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हंबनटोटा बंदरगाह पर नहीं पहुंचा था।

8 अगस्त को डॉकिंग स्थगित करने का किया था अनुरोध

बारह जुलाई को श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने चीनी पोत को हंबनटोटा बंदरगाह पर खड़ा करने की मंजूरी दे दी थी। हालांकि, आठ अगस्त को मंत्रालय ने कोलंबो स्थित चीनी दूतावास को पत्र लिखकर जहाज की प्रस्तावित डॉकिंग (रस्सियों के सहारे जहाज को बंदरगाह पर रोकना) को स्थगित करने का अनुरोध किया था। हालांकि, उसने इस आग्रह के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की। उस समय तक युआन वांग 5 हिंद महासागर में दाखिल हो चुका था।

हंबनटोटा बंदरगाह काफी अहम माना जाता है

हंबनटोटा बंदरगाह को उसकी लोकेशन के चलते रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। इस बंदरगाह का निर्माण मुख्यत- चीन से मिले ऋण की मदद से किया गया है। भारत ने कहा है कि वह अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों पर प्रभाव डालने वाले हर घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा है। भारत चीनी पोत द्वारा श्रीलंकाई बंदरगाह पर पहुंचने के दौरान रास्ते में पड़ने वाले भारतीय प्रतिष्ठानों की जासूसी किए जाने की आशंकाओं को लेकर चिंतित है।

काबुल में विस्फोट में तीन की मौत, कई घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिम स्थित राष्ट्रीय सांख्यिकी एवं सूचना प्राधिकरण (एनएसआईए) में हुए विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इससे पहले दिन में, स्थानीय निवासियों और अन्य सूत्रों ने बताया कि विस्फोट पश्चिमी काबुल के दश्त-ए-बारची इलाके में हुआ और कई लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान टोलो न्यूज ब्रॉडकास्टर के अनुसार, दो सैन्यकर्मियों सहित चार लोग घायल हो गए। पिछले सप्ताहांत, काबुल में दो घातक विस्फोटों में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 अन्य घायल हो गए। मीडिया के मुताबिक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, क्योंकि तालिबान द्वारा अधिग्रहण की साल गिरह करीब आ रही है। गत 15 अगस्त, 2021 को कट्टरपंथी आंदोलन तालिबान ने काबुल पर अधिकार कर लिया और देश में सत्ता पर कब्जा कर लिया।

ब्रिटेन चुनाव : सीनियर मंत्री ने बदला पाला, ऋषि सुनक की जगह लिज ट्रस का किया समर्थन

लंदन। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री चुनाव अभियान के बीच शनिवार को एक बड़ा उलफटेर देखने को मिला है। बोरिस जॉनसन सरकार के एक सीनियर मंत्री जो कि अभी तक ऋषि सुनक का समर्थन कर रहे थे, अब पाला बदलकर विरोधी खेमे लिज ट्रस का समर्थन कर दिया है। पाला बदलने के बाद मंत्री सर रॉबर्ट बकलैंड ने कहा है कि अब उनका मानना है कि ट्रस देश को आगे ले जाने के लिए सही कैंडिडेट हैं।

बकलैंड ने द डेली टेलीग्राफ में कहा है कि उनका मानना है कि ट्रस देश को आगे ले जाने वाली सही शख्स हैं और उनकी योजना ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को उसकी क्षमता के अनुसार उच्च वृद्धि दर के साथ आगे बढ़ाना है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने शुरूआत में सुनक का समर्थन किया था जब प्राथमिक दौर में कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों ने अंतिम दो उम्मीदवारों का चयन किया, लेकिन बाद में उन्हें लगा कि पूर्व वित्त मंत्री अपनी प्राथमिकताओं में उन चीजों को सम्मिलित नहीं कर रहे हैं जिनकी हमें जरूरत है।

मन बदलना कोई आसान कार्य नहीं

बकलैंड ने लिखा है, प्रचार अभियान आगे बढ़ा है और मैंने दोनों उम्मीदवारों को ध्यानपूर्वक सुना है, मैंने उन चीजों के बारे में गहराई से सोचा है जिसकी मैं अगले प्रधानमंत्री से उम्मीद करता हूं। इस तरह के किसी मुद्दे पर अपना मन बदलना कोई आसान कार्य नहीं है लेकिन मैंने फैसला किया कि लिज ट्रस देश को आगे ले जाने के लिए सही शख्स हैं।

सर्वे के बाद मंत्री ने बदला मन

किसी कद्दावर मंत्री का पाला बदलने का यह घटनाक्रम उन सर्वेक्षणों के बाद हुआ है जिनमें दावा किया गया है कि ट्रस ने निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के उत्तराधिकारी की दौड़ में सुनक पर स्पष्ट बढ़त बना ली है। उन्होंने लिखा है, मैं जानता हूं कि दोनों उम्मीदवार ठीक हैं और मैंने सरकार एवं मंत्रिमंडल में उनके साथ काम किया है...मैंने सर्वप्रथम विचारों और सिद्धांतों पर गौर किया और फिर व्यक्तित्व पर।

इस बीच, सुनक के प्रबल समर्थक और उप प्रधानमंत्री डोमिनिक राब ने द टाइम्स से कहा कि ट्रस की योजना देश के लिए विश्वसनीय नहीं है और दावा किया कि विदेश मंत्री का मुद्दों पर स्पष्ट रुख नहीं है।

उन्होंने कहा कि वहीं सुनक का दृष्टिकोण स्पष्ट है। राब ने सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति की निजी संपत्ति को लेकर उन पर किये गए व्यक्तिगत हमलों का भी बचाव किया। अक्षता इंफोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी हैं। राब ने कहा, मैं चकित हूं कि 21वीं सदी में भी हम इस तरह की चीजें सुन रहे हैं। उन्होंने (अक्षता ने) अपने सभी बकाया टैक्स अदा कर दिए हैं।

लेखकों ने की सलमान रुश्दी पर हमले की निंदा

लंदन। दुनिया भर के लेखकों ने विवादित लेखक सलमान रुश्दी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में हुए हमले की निंदा की है। वर्ष 1988 में प्रकाशित 'द सैटेनिक वर्सेज' को रुश्दी के खिलाफ मौत के फतवे की धमकी के वर्षों के बाद हमले की यह घटना सामने आयी है। ब्रिटिश अखबारों की रिपोर्टों में कहा गया है कि रुश्दी को शुक्रवार को न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम में 15 बार चाकू मारा गया था, जिससे वह मंच पर ही खून से लथपथ हो गये थे। बुकर-पुरस्कार विजेता लेखक इयान मैकवान ने इसे 'भयावह हमला' करार दिया और कि यह 'विचार और अभिव्यक्ति' की स्वतंत्रता पर हमला है। रुश्दी की मित्र और एवं साथी लेखिका लिसा एपिग्नेनेसी ने हमले को 'भयानक और भयावह' बताया। उन्होंने कहा, मेरी समझ में सलमान एक महान और बहुत साहसी लेखक हैं तथा वह वास्तव में नायाब है। बुकर पुरस्कार विजेता भारतीय लेखिका अरुंधति रॉय ने कहा कि वह दुख और गुस्से से लगभग अवाक थीं। उन्होंने कहा, रुश्दी जैसे व्यक्ति के साथ ऐसा कुछ होना, यह वास्तव में हम में से बहुतों के लिए अस्थिर करने वाला है।

अमेरिकी कांग्रेस ने कर, स्वास्थ्य देखभाल, जलवायु विधेयक किया पारित

वाशिंगटन 13 अगस्त (वार्ता) अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट सदस्यों ने कर नीति, स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु परिवर्तन पर विधेयक पारित किया है। यह गति मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम के पारित होने में परिणत हुई है। जो राष्ट्रपति जो बाइडेन के असफल 'बिल्ड बैक बेटर एक्ट' के कई संस्करणों में से एक है। शुक्रवार को इस विधेयक को निचले सदन में 207 के मुकाबले 220 वोटों से मंजूरी मिली। गत रविवार को समान रूप से विभाजित सीनेट ने पार्टी लाइनों के साथ 50 के मुकाबले 51 वोटों से विधेयक को मंजूरी दे दी। आईआरए, जिसे सीनेट ने रविवार को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ एक टाई तोड़कर आगे बढ़ाया था, अब हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति बाइडेन को भेजा गया है। डेमोक्रेट मध्यावधि चुनाव से पहले अपनी घरेलू नीति की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं लेकिन रिपब्लिकन ने विधेयक का कड़ा विरोध किया। रिपब्लिकन का यह तर्क है कि कर वृद्धि अमेरिकी व्यवसायों, श्रमिकों और अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाएगी।

कनाडा में मंकीपॉक्स के 1059 मामले दर्ज

ओटावा। कनाडा में मंकीपॉक्स के 1059 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी (पीएचएसी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, नए मामलों में से 511 मामले ओंटारियो से, 426 क्यूबेक से, 98 ब्रिटिश कोलंबिया से, 19 अल्बर्टा से, तीन सस्केचेवान से और दो युकोन से पाये गए। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी रणनीतिक प्रतिक्रिया के समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए प्रांतीय और क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रही है। एजेंसी ने बताया कि देश में अब तक इम्वाम्यून वैक्सीन की 80,000 से अधिक खुराकें तैयार कर ली हैं और यहां की लैब तकनीशियों को नियंत्रण सामग्री और प्रोटोकॉल प्रदान करके इसके लिए परीक्षण में सहायता कर रही हैं।

डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स को दिया नया नाम

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स वायरस के वेरिएंट के लिए क्लैड 2 ए और क्लैड 2बी नया नाम दिया है जिनमें से क्लैड 2 बी वर्ष 2022 में फैले वेरिएंट का मुख्य समूह है। डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स के नाए नाम को तुरंत प्रयोग में लाने का सुझाव दिया है।संगठन ने शुक्रवार को बयान जारी करके बताया है कि इस वायरस को नया नाम देने का मकसद सांस्कृतिक या सामाजिक अपराध से बचना है। डब्ल्यूएचओ द्वारा गठित वैश्विक विशेषज्ञों के एक समूह ने नए नामों पर फैसला किया।बयान में कहा गया कि विशेषज्ञों ने मध्य अफ्रीका में पूर्व कांगो बेसिन क्लैड (भिन्नताओं का समूह) को क्लैड ढ्ढ और पूर्व पश्चिम अफ्रीकी क्लैड को क्लैड 2 नाम दिया। बाद में इस संक्रमण में दो उप-वर्ग शामिल किए गए हैं क्लैड 2 ए और क्लैड 2बी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

समुद्र में पायी जाने वाली कुछ विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं ङ्क

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे। राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी। इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया? राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

बस्तर की जनजातियों से जुड़ी रोचक जानकारी

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है. लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि.अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं.जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है.अमूमन सभी जनजाती मॉंसाहारी होती है.

भारत के बस्तर इलाके में पाई जाने वाली जनजातियां

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

1.माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2.दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया)

अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.

इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं.हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ट इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

2.हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं.प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गावो की तरफ भी पलायन कर रहे हैंहलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं ट उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया .जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

3.भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं. प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

4.मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.